RNI NO. MPHIN/2016/69135

दैनिक लोकप्रदेश

वर्ष-10 | अंक-30 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शनिवार 7 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के सम्मेलन को किया संबोधित

राज्य सरकार किसान, उद्योग और व्यापार को साथ लेकर तैयार कर रही है विकास का नया मॉडल : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का फूड बॉस्केट बन चुका है। मध्यप्रदेश को कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और दाल उत्पादन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। राज्य सरकार किसान, उद्योग और व्यापार को साथ लेकर विकास का नया मॉडल तैयार कर रही है। राज्य सरकार जमीन हो या मशीन हर स्तर पर किसानों और व्यापारियों को अपनी गतिविधियों के विस्तार के लिए हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार ने किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। राज्य सरकार ने तुअर से मंडी टैक्स हटाया है, इससे दाल मिल उद्योग को लाभ मिलेगा। उड़द और मसूर पर भी राहत देने का विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में दालों का विशेष महत्व है।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन की तीन दिवसीय प्रदर्शनी ग्रीन एक्स का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में दाल मिलिंग, मसाला मशीनरी, फ्लोर मिल, राइस मिल सहित अन्य अत्याधुनिक तकनीकी उपकरण प्रदर्शित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान की उपस्थिति में 7 फरवरी को सीहोर में होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में सीहोर जिले के अमलाहा स्थित खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र में 7 फरवरी को दलहन आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय मिशन अंतर्गत राष्ट्रीय परामर्श एवं रणनीति सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। देश के प्रमुख दलहन उत्पादक राज्यों के कृषि मंत्री, वरिष्ठ अधिकारीगण, दलहन अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक, सरकारी बीज उत्पादक संस्थाएँ, दाल उद्योग से संबंधित प्रतिनिधि एवं अन्य सहयोगी एजेंसियाँ भाग लेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री चौहान द्वारा खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र की अत्याधुनिक सुविधाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़, 3 नक्सली ढेर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में 3 नक्सली ढेर हुए। वहीं महाराष्ट्र का एक जवान शहीद हो गया, 1 अन्य जवान घायल है। 6 फरवरी की सुबह अबूझमाड़ के जंगल में दोनों ओर से हुई गोलीबारी में महाराष्ट्र के ष्ट-60 कमांडोज ने 3 नक्सलियों को मार गिराया।इस दौरान नक्सलियों की ओर से फायरिंग में गोली कॉन्स्टेबल दीपक चिन्ना मदावी (38 साल) को जा लगी। उन्हें तुरंत एयरलिफ्ट कर भामरागड़ के अस्पताल लाया गया। जहां ऑपरेशन के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मामला महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के भामरागढ़ तहसील क्षेत्र का है। शहीद जवान दीपक को गार्ड ऑफ ऑनर देकर शव गृहग्राम रवाना किया गया है।

दूसरा जवान घायल, स्थिति खतरे से बाहर

इस मुठभेड़ में एक और जवान किष्ट्यापल्ली के रहने वाले जोगा मदवी को भी रात में एक गोली लगी थी। उन्हें भी एयरलिफ्ट करके भामरागड़ लाया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर है। मुठभेड़ इलाके से तीन माओवादियों के शव (2 पुरुष और एक महिला) बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही-ाच-47 और एक स्क्र राइफल बरामद की गई है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। मुठभेड़ की पुष्टि महाराष्ट्र पुलिस ने की है। इलाके में ऑपरेशन और तलाशी अभियान जारी है।

पाकिस्तान- शिया मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान ब्लास्ट

आत्मघाती हमले में 69 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद (इमामबाड़ा) में आत्मघाती हमला हुआ। पाकिस्तानी अखबार टाइम्स ऑफ इस्लामाबाद के मुताबिक, हमले में 69 लोगों की मौत हो गई है और 169 घायल हुए हैं। पुलिस और रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और राहत का काम शुरू कर दिया है।

ये हमला इंसानियत के खिलाफ

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमाके में मारे गए लोगों के लिए शोक जताया है। उन्होंने कहा कि बेगुनाह लोगों को निशाना बनाना इंसानियत के खिलाफ है। जरदारी ने घायलों के जल्द ठीक होने की दुआ की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को हर संभव बेहतर इलाज की सुविधा दी जाए।

परीक्षा पे चर्चा-पीएम ने बच्चों को असम के गमछे पहनाए-मोदी बोले-

एक साल में हर विदेशी चीज स्वदेशी से बदलें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज परीक्षा पे चर्चा के 9वें एडिशन में देशभर से आए बच्चों से मुलाकात की। दिल्ली स्थित पीएम आवास पर मोदी ने पहले बच्चों को असम के गमछे पहनाए और फिर उनके सवालों के जवाब दिए। पहले एपिसोड में मोदी ने बच्चों को विदेशी चीजें छोड़कर स्वदेशी चीजें अपनाने की सलाह दी। साथ ही, बच्चों से कहा कि वो 25 साल में विकसित भारत बनाने को अपना सपना बनाएं।

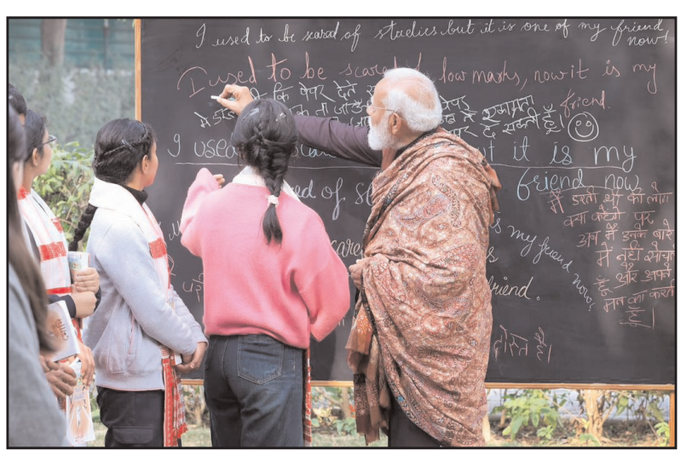

विकसित भारत को अपना सपना बनाएं

जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तब आप लोग 39-40 साल के होंगे। आपको अभी से विकसित भारत को अपना सपना बनाना चाहिए। भगत सिंह आजादी का सपना दिल में रखकर फांसी पर झूल गए। जो आजादी से 25 साल पहले, 30 साल पहले बलिदान किए गए, उसी से आजादी मिली। अपना सपना बनाएं कि विकसित भारत के लिए मुझे क्या करना है। पीएम ने कहा- कभी देखा है कि फुटपाथ पर कोई गरीब महिला भी जब टीवी पर किसी घटना के बारे में बताती है.

पंचतंत्र-अभिमन्यु पर गेम बनाओ

गोवा के श्रीजीत गाडगिल ने सवाल किया, मेरा गेमिंग में बहुत इंटरेस्ट है। मगर पेरेंट्स नहीं समझते। मैं क्या करूं। पीएम ने जवाब दिया- भारत देश कहानियों से भरा हुआ है। आप खुद के गेम बनाओ। पंचतंत्र की कहानियों पर गेम बनाओ। अभिमन-?यु की कहानी पर गेम बनाओ और अपनी वेबसाइट बनाकर उसपर लॉन्च करो। धीरे-धीरे देखोगे कि कितने लोग तुम्हारे गेम्स खेल रहे हैं।

जमात के नेता का ऐलान...

बांग्लादेश: अब मुल्क में चलेगा सिर्फ अल्लाह का कानून

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में आगामी चुनावों से पहले जमात-ए-इस्लामी को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के बयान के बाद यह सवाल उठने लगा है कि क्या शेख हसीना के बाद के चुनावों से पहले जमात-ए-इस्लामी अपनी पुरानी विचारधारा की ओर लौट रही है। गुरुवार, 5 फरवरी को राजशाही में आयोजित एक चुनावी जनसभा के दौरान जमात-ए-इस्लामी के सेंट्रल नायब-ए-अमीर प्रोफेसर मुजीबुर रहमान ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने पद्मा नदी के किनारे स्थित मदरसा मैदान में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आजादी के बाद से अब तक बांग्लादेश में अल्लाह का कानून लागू नहीं हुआ है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। राजशाही से चुनाव लड़ रहे प्रोफेसर मुजीबुर रहमान ने साफ शब्दों में कहा कि भविष्य में देश में इंसानों द्वारा बनाया गया कोई कानून नहीं चलेगा।

अल्लाह का कानून लागू करना है तो...

सभा के दौरान उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि अगर देश में अल्लाह का कानून लागू करना है, तो जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को वोट देना होगा। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है कि क्या जमात-ए-इस्लामी चुनाव से पहले अपनी विचारधारा को फिर से उसी रूप में सामने ला रही है, जैसी वह पहले हुआ करती थी।

इकोनॉमी मजबूत स्थिति में...

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया बदलाव, ब्याज दरें रहेंगी स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। 5.25 फीसदी पर रेपो रेट को अनचेंज रखा है, जिसका मतलब है कि आपके लोन की ईएमआई पर कोई असर नहीं होगा। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मॉनिटरी पॉलिसी की बैठक में रेपो रेट को नहीं बदलने का फैसला किया है। एमपीसी बैठक के फैसले पर अपडेट देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि जहां ग?लोबल लेवल पर अनिश्चितता फैली हुई है, वहीं भारत में महंगाई पूरी तरह से कंट्रोल है। महंगाई दर आरबीआई के सीमा से नीचे बना हुआ है। महंगाई दर 4 फीसदी के आसपास बना हुआ है, जिसका मतलब है कि हमारी इंडस्ट्री और देश पर महंगाई का ज्यादा भार नहीं है।

जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि अगले दो दिनों में भारत को जीडीपी और महंगाई दोनों के लिए एक नया बेस ईयर मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली बनी हुई है और घरेलू महंगाई और विकास के महंगाई सकारात्मक हैं। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने ग्रोथ अनुमान को 7.3 प्रतिशत से संशोधित करके 7.4 प्रतिशत कर दिया है। उन्होंने कहा कि बजट 2026 में घोषित कई उपाय विकास के लिए अनुकूल होंगे, साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि सेवाओं के निर्यात में मजबूती बनी रहेगी।

भोपाल निगम कमिश्नर पर अवमानना कार्रवाई पर हाईकोर्ट की रोक

डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर लगाया स्टे, अगली सुनवाई 18 फरवरी को

जबलपुर। भोपाल नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें उन्हें कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट का दोषी माना गया था।दरअसल, हाईकोर्ट में जस्टिस विशाल मिश्रा की बेंच ने भोपाल नगर निगम को अवैध निर्माण गिराने के मामले में दोषी ठहराया था। कोर्ट ने कहा कि नगर निगम ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई गाइडलाइन का पालन नहीं किया, जो कानून के राज के खिलाफ माना गया।यह आदेश हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने मार्लिन बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड बनाम नगर निगम भोपाल मामले में गुरुवार को दिया था। सिंगल बेंच ने आयुक्त संस्कृति जैन को अदालत की अवमानना का दोषी ठहराते हुए 6 फरवरी 2026 को सजा सुनाने के लिए सुनवाई तय की थी।भोपाल नगर निगम ने सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती देते हुए डिवीजन बेंच में मामला उठाया। शुक्रवार को हुई सुनवाई में बेंच ने पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा और अगली सुनवाई 18 फरवरी को तय की।

डबल बेंच ने इन तथ्यों पर दिया फैसला

डबल बेंच ने प्रथम दृष्टया यह अहम तथ्य स्वीकार किया कि जिन सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का हवाला देकर एकल पीठ द्वारा अवमानना का आदेश पारित किया गया था, बिल्डर से जुड़े मामलों में कार्रवाई नगर निगम अधिनियम एवं नगर पालिका अधिनियम, 1956 के तहत ही की जाती है। इसके साथ ही डबल बेंच के समक्ष यह तथ्य भी रखा गया कि सुप्रीम कोर्ट के जिन निर्देशों का उल्लेख एकल पीठ के आदेश में किया गया है, वे इस प्रकरण में लागू नहीं होते और ऐसे निर्देशों से जुड़ी अवमानना पर निर्णय लेना एकल पीठ के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

मणिपुर में नए डिप्टी सीएम के विरोध में हिंसा भड़की

प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को बैरक में धकेलने की कोशिश की; टायर जलाए, पत्थरबाजी की

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में गुरुवार शाम हिंसा भड़क गई। नए उपमुख्यमंत्रियों नेम्चा किप्गेन और लोसी दिखो के शपथ ग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हो गया।जिले के तुइबोंग मेन मार्केट इलाके में सैकड़ों युवा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को वापस उनकी बैरक में धकेलने की कोशिश की। जब सुरक्षाबलों ने बात मानने से इनकार कर दिया तो पत्थरबाजी शुरू हो गई। कुछ लोगों ने सड़क के बीच में टायर जला दिए।आदिवासी संगठन जॉइंट फोरम ऑफ सेवन ने कुकी-बहुल चुराचांदपुर में शुक्रवार सुबह 6 से 12 घंटे का बंद बुलाया है। वहीं, कुछ संगठनों ने नेम्चा किप्गेन को मारने वाले को 20 लाख और विधायकों एलएम खाउते, एन सेनाते को मारने वाले को 10-10 लाख इनाम देने का ऐलान किया है। कुकी वीमेंस ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन ने मणिपुर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कुकी समुदाय के कुछ विधायकों ने सरकार को समर्थन दिया है जिसका संगठन विरोध कर रहा है।

डिप्टी सीएम और 3 विधायकों का विरोध

नई सरकार में नेम्चा किप्गेन के डिप्टी सीएम बनने पर कुकी समुदाय बंट गया है। एक संगठन ने विश्वासघात व मैतेई से गठबंधन का आरोप लगाकर सरकार में शामिल तीनों कुकी विधायकों के सामाजिक बहिष्कार की घोषणा की है। तीन कुकी जो-मी विधायक मणिपुर सरकार में शामिल हैं, जिसमें नेम्चा ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है और अन्य दो, एलएम खाउते और नगुर्संगलुर, जल्द ही शपथ लेने वाले हैं।

स्वदेशी सर्विस — पीक टाइम के नाम पर किराया नहीं बढ़ेगा, कैब चालकों को कमीशन से मिलेगा छुटकारा

देश की पहली को-ऑपरेटिव कैब सर्विस भारत टैक्सी लांच

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश की पहली को-ऑपरेटिव टैक्सी सर्विस भारत टैक्सी ऐप गुरुवार 5 फरवरी को आधिकारिक तौर पर लॉन्च हो गई है। सहकारिता मंत्रालय द्वारा लॉन्च की गई ये नई कैब सर्विस सीधे तौर पर ओला-उबर और रैपिडो जैसे प्राइवेट राइड-हेलिंग कंपनियों के मोनोपोली को चुनौती देगी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने विज्ञान भवन में भारत टैक्सी को ऑफिशियली लॉन्च किया है।

खास बात ये है कि ये पूरी तरह ऐप बेस्ड स्वदेशी टैक्सी सर्विस है। माना जा रहा है कि इसके आने से ओला, उबर जैसी ऐप बेस्ड कंपनियों को कड़ी टक्कर मिलेगी और कंपटीशन बढ़ेगा जिसका फायदा आम ग्राहकों को मिल सकेगा। ड्राइवर-ओनरशिप मॉडल पर बेस्ड भारत टैक्सी ऐप कमिशन फ्री सर्विसेज उपलब्ध कराएगा। जिससे कैब चालकों को उनके हक का पूरा पैसा मिलेगा। भारत टैक्सी का मानना है कि दूसरी ऐप बेस्ड टैक्सी सर्विस की तरह इसमें भी बराबर किराया होगा। क्योंकि पहली स्वदेशी ऐप बेस्ड टैक्सी आने से कंपटीशन होगा जिससे ओला और उबर जैसी कंपनियों को किराया कम करना पड़ेगा। जिसका सीधा फायदा ग्राहकों को होगा।

न सर्ज प्राइसिंग, न छुपा किराया

भारत टैक्सी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें सर्ज प्राइसिंग नहीं होगी। बारिश, ट्रैफिक या पीक टाइम के नाम पर किराया नहीं बढ़ेगा। किराया पहले से तय और पारदर्शी होगा, जिससे यात्रियों को राहत मिलेगी। आमतौर पर देखा जाता है कि, ओला-उबर जैसी प्राइवेट कंपनियां खराब मौसम या पीक ऑवर्स में दोगुना किराया वसूलती है, लेकिन भारत टैक्सी के साथ ऐसा नहीं होगा।

ऑटो, कार और बाइक की सुविधा

भारत टैक्सी के जरिए लोग ऑटो, कार और बाइक टैक्सी बुक कर सकेंगे। यह सेवा सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड के तहत शुरू की जा रही है, जिसे देश का पहला नेशनल मोबिलिटी कोऑपरेटिव बताया जा रहा है। इसका मॉडल पूरी तरह ड्राइवर-फ्रेंडली है। मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अब तक इस सर्विस से 4 लाख से ज्यादा ड्राइवर जुड़ चुके हैं और अब तक कैब ड्राइवर्स (सारथियों) को 10 करोड़ रुपये वितरित भी किए जा चुके हैं। इस ऐप पर ड्राइवरों से कोई कमीशन नहीं लिया जाएगा। वे सिर्फ मामूली दैनिक, साप्ताहिक या मासिक मेंबरशिप शुल्क देकर काम करेंगे। इससे उनकी कमाई पर पूरा नियंत्रण रहेगा।

टैक्सी खरीदने के लिए मिलेगा लोन

भारत टैक्सी से जुड़ने वाले ड्राइवरों को आगे चलकर सरकारी लोन की सुविधा भी मिलेगी, ताकि वे खुद की टैक्सी खरीद सकें और रोजगार के नए अवसर पैदा हों। यात्रियों और ड्राइवरों की सुरक्षा के लिए भारत टैक्सी ने दिल्ली पुलिस और गुजरात पुलिस के साथ साझेदारी की है। ऐप में रियल-टाइम ट्रैकिंग, वेरिफाइड ड्राइवर, मल्टीलिंगुअल सपोर्ट और 24 गुणा 7 कस्टमर केयर जैसी सुविधाएं होंगी। इसे मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने की भी योजना है। इस सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड को देश की 8 बड़ी सहकारी संस्थाओं के सहयोग से ऑपरेट किया जा रहा है। इनमें अमूल, इफको, कृभको, नाफेड, एनडीडीबी, एनसीईएल, एनसीडीसी और नाबार्ड शामिल हैं।

फीस और दस्तावेज जमा होने के बाद भी विवि.में प्रवेश न मिलने का आरोप

■ कलेक्टर से छात्र ने लगायी प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कराये जाने की मांग

नगर संवाददाता, सतना।

रीवा के अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की प्रशासनिक त्रुटि के कारण एक छात्र का प्रवेश ना होने से शैक्षणिक वर्ष व्यर्थ होने की कगार पर है।पीडित छात्र नें नियमानुसार समय पर अपना आफॅलाइन आवेदन प्रस्तुत किया था, किंतु विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के कारण उसका प्रवेश ही नहीं हो सका। पीडित छात्र विवेक शुक्ला नें जानकारी देते हुये बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विश्वविद्यालय की ओर से की गई गलती के कारण उसका नाम प्रवेश सूची में शामिल नहीं किया गया। जबकि छात्र का कहना है कि मेरे द्वारा सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण रूप से एवं समय सीमा के भीतर पूरी की गई थी, लेकिन प्रशासनिक चूका खामियाजा छात्र को प्रवेश से वंचित होकर भुगतना पड़ रहा है। फिलहाल पीडित छात्र नें आज कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी कराएं जाने की मांग की है।

बहुरीबांध प्रवेश द्वार से टकराया ओव्हलोड ट्रक, लोगों में आक्रोश

■ वेयरहाउस संचालक पर कार्यवाही की उठी मांग

नगर संवाददाता, सतना।

चोरहटा थाना क्षेत्र के बहुरी बांध में बने प्रवेश द्वार परओवरलोड ट्रक टकरा जाने से प्रवेश द्वार क्षतिग्रस्त हो गया जो अबग्रामीणों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है, इस बात को लेकर ग्रामीणों मेंकाफी आक्रोश है। शिकायत करने के बाद ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदिवेयरहाउस संचालक के द्वारा द्वार का मेंटेनेंस नहीं किया गया तो कभी भीकोई हादसा हो सकता है शासकीय कार्य होने के बावजूद भी धान के ओवरलोड ट्रकनिकलने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है। स्थानीय लोगों नेबताया कि किसी भी समय कोई हादसा हो सकता है लेकिन वेयरहाउस संचालक कीमनमानी के चलते कोई भी कार्यवाही नहीं हो रही है और निरंतर ओवरलोड ट्रकनिकल रहे हैं। बीती शाम एक बार फिर ओवरलोड ट्रक प्रवेश द्वार पर टकरा गयाजिसे लेकर ग्रामीणों ने काफी विरोध किया। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी हैकि यदि समय रहते प्रवेश द्वार का मेंटेनेंस नहीं किया गया तो ग्रामीणवेयरहाउस की ओर जाने वाले ट्रकों को रोकने के लिए धरना देंगे।

प्रवेशद्वार में दुर्घटना होने के बाद वेयर हाउस संचालक के द्वारा गेट कामेंटेनेंस करने की बात कही गई लेकिन अभी तक कोई कार्य नहीं कराया गया। इसबात को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है स्थानीय लोगों का कहना है किकभी भी कोई हादसा हो सकता है लेकिन प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा। यदिसमय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई तो बड़ा हादसा हो सकता है जिसकीजवाबदारी प्रशासन और वेयरहाउस संचालक की होगी।

म.प्र.विद्युत मंडल पेंशनर एसो. की मासिक बैठक संपन्न

नगर संवाददाता, सतना।

मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन सतना की मासिक बैठक श्रम कल्याण केंद्र प्रेमनगर सतना में पेंशनर संघ के संरक्षक एम जी सक्सेना के मुख्य अतिथि में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। एवं माह जनवरी 2026 में सेवानिवृत हुए कर्मचारी अरुण कुमार खरे को श्रीफल एवं साल से सम्मानित किया गया। एवं उपस्थित सभी के द्वारा कैश लेस बीमा योजना के तहत बिना कार्ड जारी किए गए कुछ पेंशनर साथियों के पेंशन से माह जनवरी 2026 में कटौती कर ली गई है जिसका कड़ाई से विरोध किया गया एवं निर्णय लिया गया कि कंपनी प्रबंधन से चर्चा कर कैशलेस मेडिक्लेम स्क्रीम को तुरंत लागू करने मांग की गई साथ ही पेंशनर्स को परिचय पत्र कंपनी प्रबंधन द्वारा जारी करने मांग की गई। एवं मांग की गई कि कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के समय पूर्व की भांति स्मृति चिन्ह के रूप में कलाई की घड़ी देने की मांग पर आपसी सहमति बनी जिस हेतु कंपनी प्रबंधन को संगठन के द्वारा पत्र लिखा जाएगा।

इस दौरान संगठन के बीपी पटेल हरीश श्रीवास्तव संतोष कुमार उरमलिया मोहम्मद सलीम पवन खरे राजकुमार वर्मा अनिल सक्सेना दीपक स्मिथ रामलाल विश्वकर्मा पीसी खत्री अशोक दुबे ओ पी नामदेव संत कुमार श्रीवास्तव जानकी प्रसाद कुशवाहा ए के निगम एसके खरे विपिन श्रीवास्तव एस के निगम रामानुज दहिया प्रदीप कुमार वर्मा आदि उपस्थित थे।

आरपीएल प्रतियोगिता : भवानी सिंह व सनी यादव बने मैन ऑफ द मैच

आरपीएफ-जीआरपी व सतना कैरिज बैगन ने अपने-अपने मुकाबले जीते

नगर संवाददाता, सतना।

रेलवे मनोरंजन सदन के तत्वाधान में आयोजित आरपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार को खेले गए दोनों मुकाबलों में आरपीएफ प्लस जीआरपी तथा सतना कैरिज बैगन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। पहला मैच उचेहरा प्लस मैहर एकादश एवं आरपीएफ प्लस जीआरपी के मध्य खेला गया। टॉस जीतकर उचेहरा प्लस मैहर एकादश के कप्तान वरुण शुक्ला ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। टीम ने निर्धारित 15 ओवरों में 8 विकेट खोकर 107 रन बनाए। कप्तान वरुण ने 32, अशोक ने 18 तथा प्रिंस ने 13 रन बनाए। गेंदबाजी में आरपीएफ प्लस जीआरपी की ओर से कार्तिक ने 3 विकेट, कप्तान वीरेंद्र यादव ने 2 विकेट जबकि भवानी, सुरेंद्र व सुधीर ने 1-1 विकेट प्राप्त किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरपीएफ प्लस जीआरपी टीम ने 14 ओवरों में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की ओर से भवानी सिंह ने नाबाद 68 रन तथा कार्तिक ने 18 रन बनाए। उचेहरा प्लस मैहर की ओर से वरुण शुक्ला व अशोक ने 2-2 विकेट तथा प्रिंस व जोगेंद्र ने 1-1 विकेट लिया। आरपीएफ प्लस जीआरपी ने यह मुकाबला 4 विकेट से जीत लिया।

इस मैच में भवानी सिंह को नाबाद 68 रन एवं 1 विकेट के शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के मुख्य अतिथि जीआरपी थाना प्रभारी राजेश राज उपस्थित रहे। दूसरा मुकाबला सतना कैरिज बैगन एवं रीवा वॉरियर्स के बीच खेला गया। टॉस जीतकर रीवा वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवरों में 7 विकेट खोकर 122 रन बनाए। नंदकिशोर ने 39, राकेश ने 30, दिलीप ने 17 तथा तेजराज ने 15 रन बनाए। सतना कैरिज बैगन की ओर से सनी यादव ने 3 विकेट प्राप्त किए, जबकि राजेश, नीरज, अभिनव व ब्रिज किशोर ने 1-1 विकेट लिया।

जवाबी पारी में सतना कैरिज बैगन टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 13 ओवरों में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अखिलेश ने 43, अभिनव ने 37, सनी ने 20तथा मदन ने 13 रन बनाए। रीवा वॉरियर्स की ओर से तेजराज, कृष्णा, निखिल व नंदकिशोर ने 1-1 विकेट लिया। इस मैच में सनी यादव को 3 विकेट एवं प्रभावी प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मैच के मुख्य अतिथि डिपो इंचार्ज सिग्नल एंड टेलीकॉम शिवकुमार रहे।

दोनों मैचों में मुख्य अतिथियों का स्वागत रेलवे मनोरंजन सदन के सचिव यादवेंद्र सिंह एवं कोषाध्यक्ष नीरज राज द्वारा मोमेंटो भेंट कर किया गया। टूर्नामेंट कमेटी के मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी ने बताया कि गुरुवार सुबह 10 बजे पहला मैच रेलवे 11 बनाम मां शारदा क्लब मैहर तथा दूसरा मैच दोपहर 1 बजे स्टेशन 11 बनाम लोको के मध्य खेला जाएगा।

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता के लिए इंटर एक्टिव सेमिनार का आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

स्थित श्री रामा कृष्णा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स, करही, में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और उच्च अपेक्षाओं के दबाव से निपटने के विषय पर एक लाइव इंटरएक्टिव सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। इस सेमिनार का विषय 'उच्च अपेक्षाओं की दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा' रहा, जिसका उद्देश्य छात्रों को तनाव, चिंता और मानसिक दबाव से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जागरूक करना था।

इस सत्र का संचालन डॉ. प्रीति गुगनानी, पीएच.डी., वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं लर्निंग एंड डेवलपमेंट में 15 वर्षों से अधिक अनुभव रखने वाली विशेषज्ञ द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को तनाव प्रबंधन, भावनात्मक मजबूती, बर्नआउट से बचाव तथा वास्तविक जीवन में संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक उपायों पर मार्गदर्शन दिया। इस कार्यक्रम की मेज़बानी रिचा पांडे द्वारा की गई। कार्यक्रम में डॉ. अग्निवेश अग्निहोत्री, डायरेक्टर टेक्निकल विंग शुभी खरे, एकेडमिक डायरेक्टर दीपेश निगम, हायर सेमेस्टर डीन डॉ. अमित पांडे, फार्मेसी डीन सभी विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में अनाविका सिंह का विशेष योगदान रहा।

सेमिनार के अंत में विद्यार्थियों ने सत्र को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम मानसिक स्वास्थ्य को समझने और अकादमिक जीवन में संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वास्थ शिविर बोनान्ज में सम्पन्न

नगर संवाददाता, सतना।

बोनांन्ज़ा कॉ. हॉ.से.स्कूल में इंडियन रेडक्रास सोसायटी के सहयोग से स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया जिसमें प्री-प्रायमरी से कक्षा 9वीं के लगभग 8 सौ से अधिक बच्चों का स्वास्थ परीक्षण, नेत्र परीक्षण तथा दंत परीक्षण नामी गिरामी चिकित्सकों की टीम द्वारा किया गया।

नेत्ररोगी बच्चों के गहन उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में निःशुल्क रजिस्टेंशन भी किया गया। डायरेक्टर दिलीप अरोरा द्वारा सर्वप्रथम सभी चिकित्सकों व रेडक्रास के पदाधिकारियों तथा चिकित्सकों का भावभीना स्वागत व अभिनन्दन किया गया एवं चेयरपर्सन गौरव अरोरा द्वारा उन्हें स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन प्राचार्या रश्मि श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से चिकित्सक डॉ. समीर वर्मा मेडिसिन, डॉ. श्रेया राज नेत्र, डा.कुलदीप रावत नेत्र, डॉ. श्रेया सराफदंत रोग, डॉ.आरती शिशु रोग विशेषज्ञ व जे.पी. शुक्ला एवं उनकी पूरी टीम का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस पुनीत कार्य में मैडम नित्या दुबे, प्रिंसी सिंह, मधु कौर, सुष्मिता चक्रवर्ती, सावित्री सोनी, आकृति सिंह व शंकरदीन उरमालिया का योगदान सराहनीय रहा।

सतना समेत एमपी के 80 स्कूलों को मिली एनसीसी स्वीकृत

■ लोकसभा में सांसद गणेश सिंह की पहल पर मंजूरी

नगर संवाददाता, सतना।

मध्य प्रदेश की शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्य के 66 पीएम श्री स्कूलों और 14 सीएम राइज संदीपनी विद्यालयों में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) प्रशिक्षण शुरू करने की स्वीकृति प्रदान की है। यह फैसला सतना के सांसद गणेश सिंह की लोकसभा में उठाई गई मांग के बाद लिया गया है, जिससे विशेष रूप से सतना और मैहर क्षेत्र के छात्रों को लाभ मिलेगा। सांसद ने बताया कि जल्द ही वो सूची जारी होगी जिसमें यह उल्लेख होगा कि सतना-मैहर जिले के किन -किन विद्यालयों को राष्ट्रीय कैडेट कोर की सौगात दी गई है। सांसद गणेश सिंह ने लोकसभा में नियम 377 के तहत यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने पीएम श्री स्कूलों और सीएम राइज संदीपनी विद्यालयों में एनसीसी प्रशिक्षण की शुरुआत की मांग की ताकि छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय भावना का विकास हो सके। सांसद की इस मांग पर विचार करते हुए, रक्षा मंत्रालय ने इसे स्वीकार कर लिया। गणेश सिंह नें कहा कि यह कदम राज्य के युवाओं को सशक्त बनाएगा और उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सांसद गणेश सिंह को संबोधित एक पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी। पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि सतना समेत मध्य प्रदेश के 66 पीएम श्री विद्यालयों और 14 सीएम राइज संदीपनी विद्यालयों में एनसीसी यूनिट्स आवंटित कर दी गई हैं। इसके अलावा, मंत्री ने बताया कि एनसीसी सुविधा के इच्छुक अन्य संस्थान निकटतम एनसीसी यूनिट में आवेदन कर सकते हैं। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्रालय के इस फैसले से मध्य प्रदेश में एनसीसी का दायरा बढ़ेगा जो पहले से ही देश भर में विस्तार की दिशा में कदम उठा रहा है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने देश भर में 1100 से अधिक स्कूलों में एनसीसी प्रशिक्षण शुरू करने की घोषणा की थी, जिसमें सीमावर्ती और तटीय जिलों पर विशेष जोर दिया गया है।

प्रदुम्न व्दिवेदी सतना, नत्थू सिंह पटेल मैहर जिलाध्यक्ष नियुक्त

नगर संवाददाता, सतना।

विकलांग उत्थान परिषद मप्र जिला इकाई की मासिक बैठक गुरुवार को टाउन हाल प्रांगण में संस्थापक अध्यक्ष विनोद भाई टेढ़गवां के मुख्यातिथ्य में आयोजित की गई। बैठक में पूर्व कमेटी को भंग करते हुए सतना व मैहर जिला इकाई की नवीन कमेटी का गठन किया गया। संस्थापक अध्यक्ष विनोद भाई व्दारा प्रद्म्न व्दिवेदी को सतना जिला इकाई का अध्यक्ष एवं नत्थू सिंह पटेल को मैहर जिला इकाई का अध्यक्ष सर्व सम्मति से मनोनीत किया गया। बैठक में नव नियुक्त जिलाध्यक्ष को अपनी कमेटी की नवीन कार्य कारिणी गठन करने के निर्देश देते हुए संगठन को मजबूद बनाने की बात प्रमुखता से कही गई।

बैठक में सतना मैहर जिला के नव नियुक्त अध्यक्ष व्दय प्रदुम्न व्दिवेदी व नत्थू सिंह पटेल के अलावा परिषद संस्थापक अध्यक्ष विनोद भाई, रामपाल सिंह पटेल, ओपी तीसरे, पंकज व्दिवेदी, गुलाब सोनी, रजनीश साकेत, महेश रावत, अंगद प्रसाद नामदेव, धीरज रैकवार, हरिहर प्रसाद बागरी, राजेन्द्र कुमार चौरसिया, प्रिंस अग्रवाल, सोनू शर्मा, रसीद अली, उदय चौधरी, राजेश यादव व मो. इसरार सहित बड़ी संख्या में दिव्याग जन उपस्थित रहे।

गहोई महिला मंडल ने मनाया बसंत उत्सव

नगर संवाददाता, सतना।

गहोई महिला मंडल द्वारा बसंत उत्सव कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से की गई, जिसके माध्यम से बसंत ऋतु का स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं ने विविध सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांध दिया।

कविता, गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजी संध्या–बसंत उत्सव के दौरान महिलाओं द्वारा बसंत ऋतु पर आधारित कविता पाठ और गायन प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित जनों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता और उत्साह देखने को मिला, जिससे पूरा वातावरण उल्लासमय हो गया। कार्यक्रम में महिला मंडल अध्यक्ष ममता मोर, उपाध्यक्ष अर्चना बड़ेरिया, गीता बरसैयां, सचिव इंदु रावत, संस्कृति मंत्री शीतल कुचया, विनीता कुचया, सह सचिव रागिनी बिजपुरिया, कोषाध्यक्ष निधि खांताल, प्रचार मंत्री छाया अरुसिया सहित सीमा बड़ेरिया, वर्षा कटारे (पूर्व अध्यक्ष), शिखा खांताल, किशोरी पहारिया, साधना बड़ेरिया, मनोरमा चौदहा, सुधा गुप्ता सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

सिन्धु विकास समिति ने अर्पित की शोक श्रद्धांजलि

सतना। सिन्धु विकास समिति के सक्रिय सदस्य दिनेश थदानी के पूज्य पिता जयरामदास थदानी के आकस्मिक स्वर्गवास होने की खबर से सिन्धु विकास समिति परिवार में शोक की लहर छा गई। समिति कार्यालय में शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की समिति परिवार ईश्वर से प्रार्थना करता है कि श्री थदानी को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं घर परिवार को यह दुख :सहने की शक्ति प्रदान करें। शोक सभा में संरक्षक श्रीचंद मनवानी गोपी गेलानी मनोहर डिगवानी विनोद गेलानी ज्ञान खटवानी इन्द्रलाल आडवाणी श्रीचंद शीतलानी घनश्याम मंघरानी मनीष टेकवानी संजय वाधवानी महेश रावलानी गंगाराम सचदेव दिलीप सोनी जितेंद्र गावरी अमित कामरानी रंजीत सेनानी गोपीचंद कापडी गंगाराम सचदेव बसंत खत्री, राजेश कोटवानी सुधीर आहुजा, कमल पुरस्वानी अमित घोघवानी अनिल मोटवानी,पंकज आहूजा,ने 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड में सड़क सुरक्षा सप्ताह उत्साह पूर्वक मनाया

कारखाना परिसर में कर्मचारियों व चालकों ने ली सुरक्षा की शपथ

नगर संवाददाता, सतना।

मनकहरी स्थित प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन) के कारखाना परिसर, माइंस एवं कॉलोनी क्षेत्र में सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन बड़े उत्साह, जागरूकता और पूर्ण तन्मयता के साथ किया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों, अधिकारियों, ट्रक चालकों एवं परिचालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया।

गेट मीटिंग से हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ 11 जनवरी को कारखाना स्थित मुख्य द्वार के समक्ष सड़क सुरक्षा विषय पर आयोजित गेट मीटिंग के साथ हुआ। इस अवसर पर मनीष कुमार सिंह (प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड), दिनेश कुमार (सीनियर वाइस प्रेसिडेंट-टेक्निकल हेड, यूनिट-1) एवं प्रवीण श्रीवास्तव (सीनियर वाइस प्रेसिडेंट- टेक्निकल हेड, यूनिट-2) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कर्मचारियों को दिलाई गई सड़क सुरक्षा की शपथ

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाने के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए सभी से अपील की कि वे नियमों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए करें। उन्होंने विशेष रूप से

कारखाने के अंदर एवं बाहर वाहनों की गति सीमा का पालन करने पर जोर दिया और कहा कि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

सुरक्षा से ही सुरक्षित भविष्य का निर्माण

अधिकारियों ने संदेश दिया कि सड़क सुरक्षा केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं बल्कि सामाजिक कर्तव्य भी है। यदि हर व्यक्ति नियमों का पालन करे तो दुर्घटनाओं में कमी आएगी और देश की अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक परिवेश को भी मजबूती मिलेगी।

विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के डीजीएम (सीएसआर एवं पीआर) देवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत कंपनी के विभिन्न स्थानों डिस्पैच गेट, ट्रक यार्ड, पैकिंग प्लांट, सेंट्रल व्हीकल पार्किंग, रॉ मटेरियल हैंडलिंग एरिया एवं माइंस में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों के साथ-साथ ट्रक चालकों एवं परिचालकों को रक्षात्मक ड्राइविंग का प्रशिक्षण भी दिया गया।

वाहनों की जांच और नियमों का कड़ाई से पालन

सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान कारखाने के अंदर संचालित एवं बाहर से आने वाले वाहनों की ट्रैफिक टीम द्वारा जांच की गई। चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट, वाहन फिटनेस एवं निर्धारित गति सीमा का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

समापन अवसर पर धन्यवाद व नववर्ष की शुभकामनाएं

कार्यक्रम के समापन अवसर पर उप महाप्रबंधक (सेफ्टी) विपिन कुमार ने प्रिज्म परिवार के सभी सदस्यों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा सड़क सुरक्षा सप्ताह को सफल बनाने में सहयोग के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा अभियान एक सप्ताह तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर ही हम सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सकते हैं।

भारतीय मजदूर संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी पुरी रवाना

नगर संवाददाता, सतना।

भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय अधिवेशन पुरी उड़ीसा में 6,7 व 8 फरवरी को आयोजित होने जा रहा है। इस आयोजन में भाग लेने सतना एवं मैहर के वरिष्ठ पदाधिकारी शिवेंद्र मिश्रा, राजपाल शर्मा, मनोज शुक्ला, हरिगोबिंद सिंगरहा कटनी रेलवे स्टेशन उत्कल एक्सप्रेस से रवाना हो गये। ज्ञात हो कि भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय अधिवेशन में मजदूरों की समस्याओं को रखा जाएगा। राजपाल शर्मा ने बताया कि इस अधिवेशन में कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब की बैठक आयोजित

रीवा। शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रीवा में रेड रिबन क्लब की बैठक मुख्य चिकित्सा अधिकारी लोकेश तिवारी एवं राकेश कुमार धनकर के मुख्यातिथ्य में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रामनरेश पटेल ने की। बैठक में ब्लड बैंक प्रभारी डा लोकेश ने ब्लड डोनेशन के बिंदुवार फायदे गिनाए उन्होंने आगे बताया कि रक्तदान से रक्तचाप नियंत्रित रहता है और मधुमेह भी नियंत्रित रहता है बोन मेरो जो रीढ़ की हड्डियों के बीच संचित होता है रक्तदान से मजबूत होता है और व्यक्ति रक्तदान कर चिरयौवन बना रह सकता है। कार्यक्रम की एंकरिंग कर रहें डॉ संजीव तिवारी ने ब्लड डोनेशन की जानकारी देते हुए बताया कि भारत में ऐसे कई सुपर डोनर हैं जिन्होंने सौ से अधिक बार रक्तदान किया है।

सपाक्स पार्टी की पत्रकारवार्ता 7 को

रीवा। 5 फरवरी को सपाक्स पार्टी कार्यालय में पार्टी के पदाधिकारी एवं ब्राह्मण, क्षत्रिय, कायस्थ, वैश्य एवं अन्य सर्व समाज के लोगों की उपस्थिति में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। सपाक्स पार्टी एवं सर्व समाज के द्वारा मानस भवन रीवा में 7 फरवरी को प्रातः 11 बजे से आयोजित सामाजिक समरसता एवं सद्भाव सम्मेलन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट अनिल मिश्रा (अधिवक्ता हाई कोर्ट ग्वालियर), डॉ. हीरालाल त्रिवेदी (राष्ट्रीय संयोजक सपाक्स पार्टी), डॉ. वीणा घाणेकर (राष्ट्रीय अध्यक्ष सपाक्स पार्टी), इं. पी एस परिहार (प्रदेश अध्यक्ष सपाक्स पार्टी) के आतिथ्य में संपन्न होगा, जिसमें सामान्य वर्ग के साथ सर्व समाज के प्रमुख लोगों की उपस्थिति रहेगी। सपाक्स जिलाध्यक्ष हिमांशु शुक्ला ने रीवा जिले के सर्व समाज के सभी प्रबुद्ध जन, अधिकारी, कर्मचारी, महिला, छात्र आदि से अपील है कि उपरोक्त कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

स्कूलों के समीप संचालित पान मसाला के ठेले, गोमतियों को ननि ने हटाया

रीवा। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार विद्यालयों के आसपास स्वच्छता एवं छात्र सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 4 फरवरी को स्कूल के समीप संचालित तंबाकू, गुटखा एवं पान-मसाला के ठेले/गोमती को हटाने की कार्रवाई की गई। जिसमें मार्तण्ड स्कूल के पास पान-मसाला की गोमती हटाने की कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त बाल भारती स्कूल, माडल स्कूल, गर्वमेंट स्कूल बोदाबाग, ज्योति स्कूल बोदाबाग, स्वागत भवन के पास नगर निगम स्कूल एवं इंजीनियरिंग कालेज के सामने से गोमतियों को भी हटाया गया साथ ही चेतावनी दी गई कि दुबारा पाये जाने पर वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। मृगनयनी चौक मे अवैध गोमती रखकर आवागवन बाधित किया जा रहा था जिसे हटाने की कार्रवाई की गई। उक्त कार्यवाही में अतिक्रमण प्रभारी रावेन्द्र शुक्ला, सुखेन्द्र चतुर्वेदी, अतिक्रमण सहायक के साथ अतिक्रमण अमला मौजूद रहा।

पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी ने कांग्रेस पार्टी से दिया इस्तीफा

- प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को लिखा त्यागपत्र,गुटबाजी एवं चाटुकारिता से खुद को बताया आहत

रीवा, नगर संवाददाता।

पूर्व विधायक मऊगंज एवं वरिष्ठ नेता लक्ष्मण तिवारी ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को अपना त्यागपत्र प्रेषित किया है,जिसमें उन्होंने मऊगंज में चल रहे गुटबाजी, चाटुकारिता, सामान्तवादी प्रवृत्ति सहित उन तमाम कारणों को प्रस्तुत किया जिसकी वजह से उन्हें पार्टी छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। पत्र में लक्ष्मण तिवारी ने उल्लेख किया कि वह कांग्रेस पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता एवं मऊगंज विधानसभा-71 के पूर्व विधायक रहे हैं। कांग्रेस की विचारधारा,उसके संघर्षो तथा लोकतांत्रिक मूल्यों से प्रेरित होकर उन्होंने सदैव पाटी को सशक्त करने का प्रयास किया है। विगत वर्षों में विशेषकर चुनौतीपूर्ण राजनीतिक परिस्थितियों में व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर संगठन और जनता के हित में कार्य किया।

1994 से अन्याय, अत्याचार के खिलाफ एवं व्यभिचार के विरुद्ध संघर्ष करता रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। विगत वर्ष 2 अप्रैल 2024 को पार्टी प्रदेश कार्यालय भोपाल में मुझे कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई गई थी। तब से में निरंतर कांग्रेस पार्टी को सशक्त बनाने के लिए सतत प्रयास करता रहा हूँ। वर्तमान परिस्थितियों मुझे कांग्रेस पार्टी में कार्य करने से निरंतर रोक रही है। कांग्रेस में आज भी सामंतवाद हावी है। श्री तिवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देने के प्रमुख कारणों में लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान मऊगंज विधानसभा क्षेत्र में सुनियोजित रूप से पोलिंग एजेंट नियुक्त न किए जाना, जिससे कांग्रेस पार्टी को भीतरघात के माध्यम से कमजोर किया गया,कार्यक्रमों एवं गतिविधियों से लगातार बाहर रखा जाना। ,कांग्रेस पार्टी के संविधान के अनुसार पूर्व विधायक होने के बावजूद, जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बैठकों,कार्यक्रमों एवं गतिविधियों से लगातार बाहर रखा जाना, मऊगंज जिले में कांग्रेस पार्टी का स्थायी कार्यालय तक न होना जिससे कार्यकर्ताओं एवं प्रबुद्ध नागरिको को पार्टी से जुड़ने का अवसर नहीं मिल पाना,स्थानीय स्तर पर व्यक्तिवादी राजनीति का हावी होना तथा कांग्रेस की वैचारिक पहचान का क्षरण,प्रबुद्ध वर्ग को कांग्रेस से जोड़ने के प्रयासों पर अप्रत्यक्ष टिप्पणियों एवं हतोत्साहन, जिससे संगठन विस्तार बाधित हुआ,प्रदेश नेतृत्व के आगमन जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर भी जानबूझकर आमंत्रण न देना, जिससे उपेक्षा स्पष्ट होती है,मऊगंज क्षेत्र में घटित गंभीर जनहित घटनाओ (गडरा, तिलिया, घुरहता. देवरा काण्ड) पर कांग्रेस की प्रभावी भूमिका का अभाव,विध्य क्षेत्र की राजनीतिक महता के बावजूद, क्षेत्र को संगठनात्मक रूप से कमजोर किया जाना एवं कांग्रेस पार्टी में गुटबाजी एवं चाटुकारिता का चरम पर होना, जिससे जमीनी कार्यकर्ता हतोत्साहित हुए। श्री तिवारी ने त्याग पत्र की प्रतिलिपि मप्र संगठन महासचिव संजय कामले,राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे,पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी को भी भेजा गया।

बिहरा में जलाये गये पुतलेः एसकेएम

रीवा, नगर संवाददाता।

ट्रंप के दबाव में आकर अमेरिकी वस्तुओं पर शून्य प्रतिशत आयात शुल्क की अनुमति देकर मोदी सरकार ने देश के किसानों के साथ विश्वासघात किया है इस समझौते के तहत अमेरिका भारत के विशाल बाज़ार में अधिक अमेरिकी कृषि उत्पाद निर्यात करेगा जिससे कीमतें बढ़ेंगी और अमेरिका की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ वहां का किसान मजबूत होगा और भारत के किसानों की कमर पूरी तरह से टूट जाएगी।

जिसके विरोध में संयुक्त किसान मोर्चे के राष्ट्रीय आवाहन मुताबिक रीवा जिले के ग्राम बिहरा में एसकेएम के नेता किसान संघर्ष समिति के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू की अगवाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पुतले जलाकर भारत अमेरिकी व्यापार नीति का कड़ा विरोध किया गया। दौरान विरोध पुतला दहन मोर्चे के नेता रामजीत सिंह जय सिंह श्यामलाल साकेत विक्रम सिंह रामबहादुर सिंह विनीश सिंह दिग्विजय सिंह पुष्पेंद्र सिंह रमेश सिंह दीपू सिंह इंद्रपाल सिंह ठाकुर सिंह नागेंद्र सिंह सुखमंती सिंह अंजली सिंह ममता सिंह लालबती सिंह पूनम सिंह शुबरनिया सिंह आदि किसान मजदूर महिलाएं काफी संख्या में उपस्थिति रहीं।

पहाड़िया व कोष्टा प्लांट का ननि कमिश्नर ने किया भ्रमण

- दो दिन के भीतर टिपिंग फ्लोर के कचड़े को साफ करने के दिये निर्देश

रीवा, नगर संवाददाता।

निगम आयुक्त डॉ सौरभ सोनवणे ने 5 फरवरी को पहाड़िया कचड़ा प्लांट एवं कोस्टा का भ्रमण कर निरीक्षण किया। निगम आयुक्त ने पहाड़िया प्लांट के टिपिंग फ्लोर पर पड़े कचरे को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि समस्त कचरे को अधिकतम दो दिवस के भीतर साफ किया जाए। भ्रमण के दौरान प्लांट के पिछले हिस्से में लैंडफिल्ल का ढेर पाया गया, जिसे पूर्व में भी हटाने के निर्देश दिए गए थे संतोषजनक प्रगति नहीं मिलने पर उन्होंने एजेंसी पर पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए। साथ ही तीन दिवस के भीतर लैंडफिल्ल पूर्णतः क्लियर करने के सख्त निर्देश दिए। पहाड़िया प्लांट में प्लांटेशन कार्य प्रारंभ नहीं किए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए एक सप्ताह के भीतर कार्ययोजना तैयार कर पौधारोपण शुरू करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कोस्टा में आरडीएफ मैटेरियल के शेष शिफ्टिंग कार्य को दो दिवस के भीतर हटाकर शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए।

यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव पहुंचे रीवा

- रामनरेश को दी गयी जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्य प्रदेश अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्षजगदीश यादव रीवा दौरे पर पहुंचकर जॉन टावर स्थित सेरोन रेसिडेंसी में आयोजित संगठनात्मक कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों से विस्तृत चर्चा करते हुए रीवा जिले में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा विस्तार देने के उद्देश्य से अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा रीवा के जिला अध्यक्ष पद का दायित्व राम नरेश यादव को सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष श्री यादव ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि राम नरेश यादव के नेतृत्व में संगठन को नई दिशा, नई ऊर्जा और अधिक मजबूती प्राप्त होगी। वहीं नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राम नरेश यादव ने प्रदेश अध्यक्ष एवं शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से रीवा जनपद अध्यक्ष श्रीमती संगीता राजेश यादव, प्रदेश महामंत्री राजबहोर यादव, प्रदेश महामंत्री अशोक यादव, नरेश यादव, सुरेन्द्र यादव, युवा महिला अध्यक्ष रेनू यादव, युवा अध्यक्ष सूरज यादव, युवा प्रदेश महासचिव दिलीप यादव सहित यादव महासभा के समस्त पदाधिकारी एवं गणमान्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बहुरीबांध प्रवेश द्वार से टकराया ओव्हलोड ट्रक, लोगों में आक्रोश

- वेयरहाउस संचालक पर कार्यवाही की उठी मांग

रीवा, नगर संवाददाता।

चोरहटा थाना क्षेत्र के बहुरी बांध में बने प्रवेश द्वार परओवरलोड ट्रक टकरा जाने से प्रवेश द्वार क्षतिग्रस्त हो गया जो अबग्रामीणों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है, इस बात को लेकर ग्रामीणों मेंकाफी आक्रोश है। शिकायत करने के बाद ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदिवेयरहाउस संचालक के द्वारा द्वार का मेंटेनेंस नहीं किया गया तो कभी भीकोई हादसा हो सकता है शासकीय कार्य होने के बावजूद भी धान के ओवरलोड ट्रकनिकलने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है। स्थानीय लोगों नेबताया कि किसी भी समय कोई हादसा हो सकता है लेकिन वेयरहाउस संचालक कीमनमानी के चलते कोई भी कार्यवाही नहीं हो रही है और निरंतर ओवरलोड ट्रकनिकल रहे हैं। बीती शाम एक बार फिर ओवरलोड ट्रक प्रवेश द्वार पर टकरा गयाजिसे लेकर ग्रामीणों ने काफी विरोध किया। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी हैकि यदि समय रहते प्रवेश द्वार का मेंटेनेंस नहीं किया गया तो ग्रामीणवेयरहाउस की ओर जाने वाले ट्रकों को रोकने के लिए धरना देंगे।

प्रवेशद्वार में दुर्घटना होने के बाद वेयर हाउस संचालक के द्वारा गेट कामेंटेनेंस करने की बात कही गई लेकिन अभी तक कोई कार्य नहीं कराया गया। इसबात को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है स्थानीय लोगों का कहना है किकभी भी कोई हादसा हो सकता है लेकिन प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा। यदिसमय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई तो बड़ा हादसा हो सकता है जिसकीजवाबदारी प्रशासन और वेयरहाउस संचालक की होगी।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना की संभाग स्तरीय बैठक आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

3 फरवरी को संभागीय कार्यालय स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, शास. टी.आर.एस. कॉलेज रीवा में एक संभाग स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि योजना के निदेशक डॉ. मनोज सिंह रहे। अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, रीवा संभाग रीवा डॉ. आर.पी.सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की, बैठक की समन्वयक महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी रही। संभागीय नोड्ल अधिकारी डॉ. अच्युत पाण्डेय ने बताया कि बैठक में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजनान्तर्गत उपलब्धियों, कार्यो, सुझावों पर चर्चा,अध्यापन संचालन, भारतीय ज्ञान परम्परा में कार्यशाला, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना विभिन्न प्रशिक्षण, योजना हेतु कार्य योजना तैयार करने पर प्रमुख चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन.तिवारी, डॉ. एस.के.पाण्डेय मऊगंज, डॉ. एस.के.पाण्डेय मैहर, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. महानंद द्विवेदी, रीवा, सतना, सीधी, शहडोल के जिला नोड्ल एवं संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों के टीपीओ उपस्थित रहे। बैठक का संचालन टीपीओ डॉ. अतुल कुमार शुक्ला तथा आभार प्रदर्शन सतना की जिला नोड्ल डॉ. क्रांति मिश्रा ने किया। संभाग स्तरीय बैठक की व्यवस्था में डॉ. मिर्जा अख्तर बेग, डॉ. अतुल शुक्ला वाणिज्य, प्रो.ओ.पी.शुक्ला, प्रो. राकेश पाण्डेय, डॉ. कीर्ति मिश्रा, प्रो. अतुल मिश्रा, शिवम तिवारी की भूमिका सराहनीय रही।

फीस और दस्तावेज जमा होने के बाद भी विवि.में प्रवेश न मिलने का आरोप

- कलेक्टर से छात्र ने लगायी प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कराये जाने की मांग

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा के अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की प्रशासनिक त्रुटि के कारण एक छात्र का प्रवेश ना होने से शैक्षणिक वर्ष व्यर्थ होने की कगार पर है।पीडित छात्र नें नियमानुसार समय पर अपना आफॅलाइन आवेदन प्रस्तुत किया था, किंतु विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के कारण उसका प्रवेश ही नहीं हो सका। पीडित छात्र विवेक शुक्ला नें जानकारी देते हुये बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विश्वविद्यालय की ओर से की गई गलती के कारण उसका नाम प्रवेश सूची में शामिल नहीं किया गया। जबकि छात्र का कहना है कि मेरे द्वारा सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण रूप से एवं समय सीमा के भीतर पूरी की गई थी, लेकिन प्रशासनिक चूका खामियाजा छात्र को प्रवेश से वंचित होकर भुगतना पड़ रहा है। फिलहाल पीडित छात्र नें आज कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी कराएं जाने की मांग की है।

दबंगों ने रास्ते में किया अतिक्रमण

ठिठुरन भरी रात में बीमार को खटिया से पहुंचाया गया मुख्य मार्ग, वीडियो वायरल

रीवा, नगर संवाददाता।

शहर हो या फिर गांव दबंग प्रवृत्ति के लोग हर जगह नियमों की तेवरी और बरखी करते रहते हैं। इनके लिये न तो कानून मायने रखता है और न ही प्रशासन। पुलिस भी ऐसे लोगों से चार कदम खुद को दूर ही रखती है। इन दबंगों के दुर्व्यवहार और कारनामों का सबसे बड़ा शिकार साधारण व्यक्ति होते हैं,जिनका दुनियादारी से कोई लेना देना नही रहता? त्योथर क्षेत्र में कुछ दबंगों द्वारा आम रास्ते में अतिक्रमण कर लिया गया,जिसकी वजह से लोगों का आना जाना बंद हो गया। स्थिति उस समय सबसे ज्यादा गंभीर बनी जब एक बीमार महिला को रास्ता बंद होने के कारण खटिया में लिटाकर मुख्य मार्ग तक ले जाया गया,इसके बाद उन्हें वाहन नसीब हुआ और वह अस्पताल पहुंची। आज जब वर्तमान सत्ता यह कहते हुये नही थक रही है कि जिले के सुदूर गांवों तक सड़क ,बिजली और पानी पहुंच चुका है,ऐसे में यह घटना सत्ताधारियों के लिये आइना दिखाने का काम कर रही है। उक्त पूरी घटना बीती रात्रि रीवा जिले के त्यौथर नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 9 का बताया गया है,जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मामले को लेकर बताया गया कि वार्ड 9 निवासी आशा देवी यादव की गत दिवस की रात अचानक तबियत बिगड़ गयी,जिन्हें उपचार की घर के सदस्यों द्वारा खटिया में लिटाकर 1 किमी.दूर तक ले जाया गया,इसके बाद मुख्य सड़क से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

त्योंथर नगर परिषद के वार्ड 9 में प्रशासनिक कार्रवाई के बावजूद दबंगों द्वारा अतिक्रमण करते हुये रास्ते को बंद कर दिया गया,जिसके कारण चार पहिया वाहन,एम्बुलेंस वहाँ से नहीं गुजर पाते। इस संबंध में पीड़िता का कहना है कि प्रशासन कई बार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर चुका है, लेकिन दबंग दोबारा रास्ते पर कब्जा कर लेते हैं। वर्ष 2018-19 में इसी रोड पर नगर परिषद त्यौंथर के द्वारा गिट्टी डाली गई थी लेकिन अतिक्रमणकारी द्वारा फिर अतिक्रमण कर लिया। जब तक प्रशासन सख्त कार्यवाही नहीं करेगी तब तक अतिक्रमणकारियों के हौसले ऐसे ही बुलंद रहेंगे।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ की मासिक बैठक सम्पन्न

- संगठनात्मक विषयों एवं राष्ट्रीय अधिवेशन को लेकर हुई चर्चा

रीवा, नगर संवाददाता।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ की जिला इकाई रीवा की मासिक बैठक उद्यानिकी परिसर, कोठी कम्पाउंड, रीवा में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भक्त प्रहलाद कुशवाहा द्वारा की गई। बैठक में राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रविदत्त सिंह उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ की प्रदेश स्तरीय बैठक 02 फरवरी 2026 को भोपाल स्थित संगठन कार्यालय में सम्पन्न हुई, जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा कक्का की उपस्थिति रही। बैठक में कक्का द्वारा संगठन के आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही अमर शहीद क्रान्तिकारियों के सुप्रीमो चन्द्रशेखर आज़ाद के जन्म स्थान ग्राम भावरा, जिला अलीराजपुर (मध्यप्रदेश) में अनवरत घी का दीप प्रज्वलन किए जाने का कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन 26, 27 एवं 28 फरवरी 2026 को किया जाना सुनिश्चित हुआ है, जिसका समापन 1 मार्च 2026 को होगा। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में रीवा जिले से सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा सहभागिता किए जाने का संकल्प लिया गया। बैठक में बताया गया कि विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित टैरिफ के विपरीत उपभोक्ताओं को बढ़े हुए विद्युत बिल भेजे जा रहे हैं, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विद्युत विभाग की इस मनमानी कार्यप्रणाली के कारण किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

डाक विभाग ने मनाया डाक जीवन बीमा दिवस

रीवा। रीवा डाक संभाग के अधीक्षक आरके तिवारी ने बताया कि डाक विभाग सुगम यात्रा का सुरक्षा बीमा योजना इण्डिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने यात्रियों को व्यापक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से इसकी शुरूआत की गई है जिसमें यात्रा के दौरान दुर्घटना एवं बीमारी से सुरक्षा कवरेज, नेटवर्क अस्पतालों में कैशलेस उपचार सुविधा आपातकालीन एम्बुलेंस एवं चिकित्सा सहायता, पॉलिसी शर्तों के अनुसार ओपीडी खर्च निजी सामान का नुकसान चेक इन किए गए सामान का नुकसान या देरी, सडक दुर्घटना एवं कॉमन कैरियर (बस ट्रेन में दुर्घटना कवर बताए गए जोखिमों के कारण यात्रा रद्द वैकल्पिक परिवहन एवं आपातकालीन आवास खर्च कवर, हो सकेगा।

मणिपुर में फिर भाजपा सरकार

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

लगभग एक वर्ष के राष्ट्रपति शासन के बाद मणिपुर में पूर्व मंत्री युमनाम खेमचंद सिंह के नेतृत्व में लोकप्रिय सरकार का गठन हो गया है। उन्होंने बुधवार शाम को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री कुकी समुदाय से नेमचा किपगेन और नागा समुदाय से लोधी दिखो ने भी शपथ ली। पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के कट्टर आलोचक खेमचंद सिंह को भाजपा नेतृत्व में स्वयं मुख्यमंत्री के रूप में चुना है। लम्बे समय से जातीय हिंसा और राजनीतिक अनिश्चितता झेल रहे राज्य में नई सरकार का गठन कर भाजपा ने स्थिति को संतुलित करने के लिए बड़ा दांव खेला है। भाजपा ने मैतेई और कुकी समुदाय के नेताओं को सत्ता में साथ लाने की रणनीति पर काम किया। इसके पीछे सामाजिक संतुलन और शांति बहाली के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा ने कुकी समुदाय से आने वाली महिला नेता नेमचा किपजेन को डिप्टी सीएम बनाने का फैसला किया। दोनों समुदायों को सत्ता में प्रतिनिधि देकर बीजेपी राजनीतिक और सामाजिक तनाव कम करके राज्य में स्थिर सरकार देना चाहती है। मणिपुर में नई सरकार का गठन संवैधानिक जरूरत और राजनीतिक अनिवार्यता दोनों ही थी क्योंकि राज्य में राष्ट्रपति शासन की अवधि फरवरी में खत्म हो रही है। ऐसे में समय पर सरकार का गठन जरूरी था। नई सरकार बनने से प्रशासनिक फैसले तेजी से लिए जा सकेंगे और शांति की बहाली की प्रक्रिया मजबूत होगी।

60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास 37 विधायक हैं और उसके पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त आंकड़े हैं लेकिन महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैतेई-कुकी संघर्ष को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए भाजपा क्या संतुलन कायम करती है जिससे शांति बहाली हो सके। मैतेई समुदाय से ताल्लुक रखने वाले युमनाम खेमचंद सिंह की पहचान ऐसे नेता की है जिन्हें हर समुदाय का समर्थन हासिल है। वे हर किसी समूह के साथ जाकर काम कर सकते हैं। उनकी छवि एक सुलझे हुए राजनेता की है जो संगठन और सरकार दोनों का अनुभव रखते हैं। वे 2017 से 2022 तक मणिपुर विधानसभा के स्पीकर रह चुके हैं। इस दौरान उन्होंने कई विधायी निर्णय लिए और सदन को सुचारू रूप से चलाने का अनुभव प्राप्त किया। 2022 में पुन: बीजेपी सरकार बनने पर उन्हें एन. बीरेन सिंह की कैबिनेट में शामिल किया गया था और उनके पास नगर प्रशासन और आवास विकास, ग्रामीण विकास और पंचायत राज जैसे भारी-भरकम मंत्रालय थे। खेमचंद सिंह को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का समर्थन हासिल है और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ भी उनके अच्छे संबंध हैं। मणिपुर में 3 मई 2023 को जातीय हिंसा शुरू हुई थी जिसमें 300 से अधिक लोग मारे गए और हजारों लोग बेघर हुए। हिंसा की शुरूआत तब हुई जब मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने की सिफारिश भेजने को कहा।

इस फैसले से पहाड़ी इलाकों में रहने वाली कुकी जनजातियों में असुरक्षा बढ़ी। उनका मानना था कि मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा मिलने पर आरक्षण में उनकी हिस्सेदारी कम हो जाएगी। साथ ही घाटी का प्रभाव बढ़कर पहाड़ी इलाकों के प्रभावों को कम करेगा। कुकी लोगों को डर था कि अगर मैतेई लोगों को जनजातीय दर्जा मिल जाता है तो वे और भी ज्यादा हाशिये पर चले जाएंगे। बहुसंख्यक मैतेई मुख्य रूप से इम्फाल घाटी में बसे हुए हैं जबकि कुकी लोगों की बसावट पहाड़ी इलाकों में है। मणिपुर में भूमि अधिकार, जंगलों का नियंत्रण, सीमा निर्धारण और पुनर्वास जैसे मुद्दे कई वर्षों से विवाद का केन्द्र रहे हैं। कुकी समुदाय का आरोप था कि मैतेई समुदाय उनके अधिकारों में हस्तक्षेप कर रहा है। मैतेई समुदाय मुख्यत: हिन्दू हैं जबकि कुकी अधिकतर ईसाई हैं।

कुकी समुदाय का कहना है कि समस्या का हल सिर्फ शांति प्रक्रिया के दौरान ईमानदारी और गैर पक्षपाती रवैया अपना कर ही हो सकता है। जब तक संसाधनों का समान बंटवारा या केन्द्रीय व्यवस्था नहीं स्थापित होती, समस्या खत्म नहीं होगी और समाधान की प्रक्रिया जटिल बनी रहेगी। इस समस्या से निपटने का टिकाऊ तरीका यही है कि जातीय तनाव की जड़ के जो मुद्दे हैं उन्हें हल किया जाए और ऐसा समाधान किया जाए जो दोनों पक्षों को स्वीकार्य हो। कुकी में नगा समुदाय भी शामिल है। कुकी और मैतेई समुदायों में तनाव तो अंग्रेजों के शासन से ही चल रहा है।

अब जबकि राज्य में फिर से सरकार बन गई है तोउम्मीद की जानी चाहिए कि युमनाम सरकार राज्य में शांति बहाल के प्रयास करेगी और दोनों समुदायों के बीच गहरी हो चुकी अविश्वास की खाई को पाटने के लिए बातचीत की प्रक्रिया शुरू करेगी। हाल ही में युमनाम खेमचंद सिंह ने कुकी बहुल इलाकों का दौरा कर शांति और बातचीत की वकालत की थी। मैतेई समुदाय से होने के बावजूद दूसरे समुदायों तक उनकी पहुंच उन्हें मौजूदा संकट में एक स्वीकार्य चेहरा बना सकती है। विवादों से दूर रहने वाले नेता के तौर पर उनकी पहचान बड़ी भूमिका निभा सकती है। जरूरत इस बात की है कि दोनों समुदायों के बीच संवाद कायम हो। जमीन और आरक्षणपर स्पष्ट नीति तैयार की जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो फिर से तनाव पैदा हो सकता है। कुकी समुदाय को भी कुकीलैंड या जूमलैंड नाम से अलग प्रशासनिक स्वायत्तता की मांग छोड़नी होगी। क्योंकि मैतेई समुदाय इस मांग को राज्य की अखंडता के लिए खतरा मानता है। पड़ोसी देश से होने वाली अवैध घुसपैठ को भी नियंत्रित किए जाने की जरूरत है। राज्य में निष्पक्ष सरकार का होना बहुत जरूरी है। ताकि लोगों को भरोसा हो कि सरकार उनके हक के लिए काम कर रही है।

बोर्ड ऑफ पीस : ट्रंप का नया ट्रंप-कार्ड

डॉ. सुधीर सक्सेना
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस की शक्ल में अपना ट्रंप-कार्ड यानि तुरूप का पत्ता चल दिया है। बोर्ड ऑफ पीस यानि पीस क्लब को शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिलने से खफा ट्रंप का अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का उपक्रम माना जा रहा है। उन्होंने पैंसठ देशों के राष्ट्राध्यक्षों को इससे जुड़ने का न्यौता भेजा है और इसका सदस्यता शुल्क होगा एक अरब डॉलर। ट्रंप इस क्लब के चेयरमैन हैं और इसकी कार्यकारिणी में उनके दामाद जोरड कुश्नर और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर समेत अनेक राजनयिक और धन्नासेठ शामिल हैं। गौरतलब है कि यूएसए के दूसरी बार निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने स्वयं को वेनेजुएला का राष्ट्रपति घोषित करने के साथ ही ग्रीनलैंड पर दावा ठोंक रखा है और वह कनाडा को अमेरिकी राज्य के तौर पर देखने का सपना पाले हुये हैं।

बोर्ड ऑफ पीस की स्थापना की गाथा गत वर्ष युद्ध जर्जर गाजा में शांति-स्थापना की पहल से होती है। अक्टूबर, सन 2023 से प्रारंभ युद्ध में इस्रायली कार्रवाई से फलस्तीन को बड़े पैमाने पर तबाही का सामना करना पड़ा। अगस्त-सितंबर में ट्रंप ने टोनी ब्लेयर के सहयोग से गाजा में आंतरिक प्रशासन और आर्थिक बहाली की योजना प्रस्तुत की। प्रस्ताव को इस्रायल और हमास ने कुबूल कर लिया। 12 अक्टूबर को ब्लेयर फलस्तीन के उपराष्ट्रपति हुसैन अल शेख से जोर्डन में मिले। वार्ता सफल रही और उसी शाम ट्रंप ने गाजा-युद्ध के खात्मे और बोर्ड ऑफ पीस के गठन का ऐलान कर दिया। गाजा में युद्ध विराम एक बड़ी घटना थी, लिहाजा संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव क्रमांक 2803 के जरिये इसका स्वागत किया। जश्न के तौर पर 13 अक्टूबर, 25 को मिस्र में शर्म-अल-शेख में बैठक हुई। इसी क्रम में हमास के प्रवक्ता हाजेम कासिम की शीघ्र टेक्नालाजिकल कमेटी के गठन का बयान सामने आया। ट्रंप का अभियान बाला-बाला चलता रहा और अंतत: 14 जनवरी को ट्रंप ने विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों को बोर्ड ऑफ पीस से जुड़ने का दावतनामा भेज दिया। अगले ही दिन उन्होंने दंभोक्ति की कि बोर्ड ऑफ पीस दुनिया में कभी भी और कहीं भी गठित किसी भी संगठन से अधिक प्रतिष्ठापूर्ण उपक्रम है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद होगा संकटग्रस्त इलाकों में शांति स्थापना, भरोसेमंद और वैध-प्रशासन की बहाली तथा स्थायित्व को बढ़ावा। सहज समझा जा सकता है कि ट्रंप संयुक्त राष्ट्र संघ के समांतर एक पृथक वैश्विक संगठन की इमारत की ईंटे चिन रहे हैं। बोर्ड आफ पीस की कार्यकारिणी से इस संभावना को बल मिलता है कि ट्रंप इसे निजी क्लब के तौर पर चलाना चाहते हैं। उनका यह उपक्रम शांति स्थापना से अधिक अपनी ताकत और दबदबा बढ़ाने का हथकंडा अधिक लगता है। तो क्या वे यूएनओ को दरकिनार करना चाहते हैं। उन्होंने चेहरे चुन लिये है। इनमें उनके मित्र है, मंत्री हैं और सलाहकार हैं। वह अकारण नहीं है कि इसे उनके अहंकार या दंभ से जोड़कर देखा जा रहा है। मध्यपूर्व में यूएनओ के समन्वयक रहे निकोलाई म्लादेनोव इसके डायरेक्टर जनरल होंगे। कार्यकारिणी के अन्य सदस्य हैं अमेरिका के सेक्रेट्री ऑफ स्टेट मार्को रूबियो, मध्यपूर्व में विशेष दूत स्टीव विटकोफ दामाद कुशनर, ब्रिटन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेअर, अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के मार्क रोवान, राजनीतिक सलाहकार रॉबर्ट गैब्रिएल और वर्ल्ड बैंक के भारतीय मूल के अध्यक्ष अजयपाल सिंह बंगा।

ट्रंप के न्यौते पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने शिरकत की तस्दीक की हैं, वहीं तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगान की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है। अल्बानिया के पीएम एदी रामा ने भी आमंत्रण स्वीकार कर लिया है और इसे विश्व मंच पर अल्बानिया की बढ़ती प्रतिष्ठा का द्योतक बताया है। अजरबैजान ने जहां इंकार कर दिया है, वहीं फ्रांस के इमैनुएल मैक्रों ने ट्रंप को ठेंगा दिखा दिया है। बड़ी संख्या में मुस्लिम और यहूदी आबादी के अलावा समता, स्वतंत्रता और भ्रातृत्व में फ्रांसीसी निष्ठा जग जाहिर है। अमेरिका का स्टेचू ऑफ लिबर्टी फ्रांस का ही उपहार है। दूसरे योरोपियन यूनियन का हिमायती फ्रांस अमेरिका का पिछ लग्गू नहीं बनना चाहता। मैक्रों के इंकार से क्षुब्ध ट्रंप का नजला फ्रेंच वाइन और शैंपेन पर गिरा है और उन्होंने इन पर टैरिफ दो सौ फीसद बढ़ा दिया है।

संपादकीय

'ऊंट के मुंह में जीरा'

पहली बार बजट में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को 1 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। कुल बजट 1,01,709 करोड़ रुपए का है, जिसे पांच साल में 42 फीसदी बढ़ाया गया है, लेकिन जीडीपी का जितना हिस्सा स्वास्थ्य और शिक्षा पर आवंटित किया जाना चाहिए, उतना बजट नहीं दिया जा रहा है। स्वास्थ्य का बजट अब भी 2 फीसदी से कम है, जो 147 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश के लिए 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है।

भारत में कैंसर और डायबिटीज जानलेवा और गंभीर स्वास्थ्य संकट हैं। देश में 2025 तक मधुमेह पीड़ितों की अनुमानित संख्या 12.49 करोड़ है। करीब 8 से 18 फीसदी कैंसर रोगियों को मधुमेह भी होता है, लिहाजा टाइप-2 मधुमेह के कारण स्तन, कोलन, लिवर, पैंक्रियाज के कैंसर का जोखिम 20-30 फीसदी तक बढ़ जाता है। भारत में मुख कैंसर विश्व में सबसे अधिक है, क्योंकि भारतीय तंबाकू का सेवन बहुत करते हैं। फेफड़े, श्वास-नली, बड़ी आंत या मलाशय, पैंक्रियाज, स्तन आदि के कैंसर करीब 50 फीसदी मौतों के लिए जिम्मेदार हैं। देश का औसतन 9वां नागरिक कैंसर पीड़ित है। अभी तक कैंसर लगभग लाइलाज है, क्योंकि देश में सुविधाएं और चिकित्सा पर्याप्त नहीं है। जहां इलाज उपलब्ध है, वहां लंबी प्रतीक्षा है, शोध का स्तर उथला है और अंतत: इलाज बेहद महंगा है। राजधानी दिल्ली की नाक के तले ही कैंसर की नकली दवाइयां बनाई और बेची जा रही हैं। बहरहाल बजट में कैंसर, मधुमेह समेत 7 गंभीर बीमारियों की दवाएं सस्ती घोषित की गई हैं। बेशक कैंसर की दवाओं पर शुल्क घटने से इन दवाओं के आयात और वितरण से जुड़ी कंपनियों के मार्जिन में सुधार होगा। बजटीय आबंटन 10,000 करोड़ रुपए का सीधा लाभ उनको मिलेगा, जो 'बायोसिमिलर्स' और शोध पर काम कर रही हैं। बॉयोकॉन, सन फार्मा, जायडस लाइफ साइंसेज को ये लाभ मिल सकते हैं। डा. रेड्डीज कैंसर की कई महत्वपूर्ण दवाओं के उत्पादन और वितरण में सक्रिय है। नेटको फार्मा की कैंसर दवाओं के पोर्टफोलियो में इसकी बड़ी पकड़ है।

मौजूदा सवाल यह है कि देश में कैंसर का इलाज मुफ्त क्यों नहीं किया जा सकता? अथवा जो अस्पताल कैंसर के इलाज के लिए चिन्हित किए जाएं, उनमें इतना अनुशासन और सख्ती की जानी चाहिए कि आम आदमी को कैंसर का इलाज 100 फीसदी सुनिश्चित किया जा सके। जब देश में 'मुफ्त की रेवड़ियां' बांटने की राजनीतिक संस्कृति पुख्ता हो चुकी है और इस आधार पर चुनाव जीते जा रहे हैं, तो कैंसर किसी की जिंदगी और मौत से जुड़ी बीमारी है। 'अमीर अर्थव्यवस्था' वाला देश कैंसर का मुफ्त इलाज मुहैया क्यों नहीं करा सकता? देश में दवाओं का इतना संकट नहीं है, बल्कि अस्पताल और डाक्टरों की उपलब्धता बहुत कम है। राजधानी दिल्ली में ही प्रति लाख आबादी पर अस्पताल मात्र 0.52 है। इसके अलावा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और मणिपुर में प्रति लाख आबादी पर औसतन एक अस्पताल नहीं है। सबसे कम डाक्टर नगालैंड, मिजोरम, झारखंड, छत्तीसगढ़ और बिहार में उपलब्ध हैं। फिलहाल 1 लाख एलाइड पेशेवरों को प्रशिक्षण और 1000 करोड़ रुपए का बजट, 3 नये नेशनल फार्मा संस्थान, 50 फीसदी ट्रॉमा केयर सेंटर, जिलेवार अस्पताल, आयुष फार्मेसी, ड्रग टेस्टिंग लैब, जामनगर स्थित टेऊडिशनल मेडिसन सेंटर और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र की घोषणाएं अच्छी हैं, लेकिन उनकी उपस्थिति और सक्रियता जमीन पर भी दिखनी

डिजिटल चक्रव्यूह में फंसा बचपन

गाजियाबाद की त्रासदी जिसमें आनलाइन गेम का टास्क पूरा करते हुए तीन किशोरियां जो आपस में सगी बहनें थी, उन्होंने नौवीं मंजिल से छलांग लगा दी। यह महज दुखद दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारे भारतीय समाज के डिजिटल संक्रमण की ऐसी इच्छा मृत्यु है जिसे प्रगति के नाम पर देश की भावी पीढ़ी खुद चाह रही है। इस घटना की प्रारंभिक जांच में जब कोरियन लव गेम का नाम सामने आया, तो एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया कि हम जिस इंटरनेट को ज्ञान का सागर समझ रहे थे, वह तो हर रोज का डेथ वारंट है। उसमें घातक खेलों का ऐसा दलदल भी है जो बच्चों की कोमल संवेदनाओं को निगल रहा है। यह हादसा तकनीक के गलत उपयोग से कहीं ज्यादा माता-पिता की अनदेखी और परिवारों के बीच बढ़ती भावनात्मक शून्यता का जीवंत उदाहरण है।

बच्चों में डिजिटल एडिक्शन ड्रग्स से भी अधिक घातक साइलेंट किलर की तरह घुसपैठ कर रहा है। यह डिजिटल नशा बच्चों का भविष्य खा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा गेमिंग डिसऑर्डर को मानसिक बीमारी की सूची में डालना इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि यह समस्या अब नियंत्रण से बाहर हो रही है। आंकड़ों पर गौर करें तो भारत में लगभग 45 करोड़ से अधिक सक्रिय ऑनलाइन गेमर्स हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक बहुत बड़ा हिस्सा 15 से 25 वर्ष की आयु के युवाओं और किशोरों का है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्ट्स भी संकेत देती हैं कि किशोरों में बढ़ते तनाव और आत्महत्या की घटनाओं के पीछे साइबर बुलिंग और गेमिंग चैलेंज जैसे कारक प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

मनोवैज्ञानिक रूप से समझें तो जब बच्चा घंटों स्क्रीन से चिपका रहता है, तो

उसके मस्तिष्क में डोपामाइन नामक रसायन का अत्यधिक स्राव होता है। जो उसे झूठा रोमांच और आभासी खुशी देता है। जैसे ही उसका वास्तविकता से सामना होता है या उससे फोन छीन लिया जाता है, वही बच्चा अचानक अवसाद, चिड़चिड़ेपन या हिंसक व्यवहार का ग्रस्त हो जाता है।

आज माता-पिता जितने स्मार्ट बन रहे है, बचपन उतना अकेला होते जा रहा है। विडंबना है माता-पिता बच्चों को चुप कराने या व्यस्त रखने के लिए हाथ में मोबाइल थमा देते हैं। आज डिजिटल पेरेंटिंग का अर्थ केवल इंटरनेट पैक डलवाना रह गया है। माता-पिता स्वयं भी इस चक्रव्यूह से मुक्त नहीं हैं। वे दूसरों को व्हाट्सएप पर सुप्रभात और संस्कारों के संदेश भेजने में घंटों व्यतीत करते हैं, लेकिन बगल में बैठे अपने बच्चे की आंखों में पसरे सन्नाटे को नहीं पढ़ पाते। जब घर का वातावरण ऐसा हो जाए जहां हर सदस्य अपनी-अपनी स्क्रीन में कैद हो, तो बच्चे स्वाभाविक रूप से भावनात्मक अकेलापन महसूस करते हैं। बच्चे मोबाइल नहीं मांगते, वे आपका समय मांगते हैं। जब उन्हें समय नहीं मिलता, तब वे मोबाइल का विकल्प चुनते हैं। और अजनबियों, लव गेम्स जैसे खतरनाक प्लेटफार्मों की शरण में जाते हैं, जहां उन्हें महत्व मिलने का भ्रम होता है।

ऑनलाइन गेम्स भ्रमजाल है। गाजियाबाद की घटना में जिस गेम का जिक्र आया है, वह बच्चों की मनोवैज्ञानिक कमजोरी और प्रेम की इच्छा का फायदा उठाता है। ये गेम्स किशोरों को धीरे-धीरे वास्तविकता से काट देते हैं और उन्हें ऐसे टास्क में उलझा देते हैं जहां मृत्यु उन्हें डरावनी नहीं, बल्कि रोमांचक चुनौती या मुक्ति मार्ग लगने लगती है। सामाजिक मेलजोल की कमी के कारण बच्चों में तुलना और प्रतिस्पर्धा का भाव इतना बढ़ जाता है कि वे अपनी हार को बर्दाश्त नहीं कर पाते और आत्मघाती कदम उठा लेते हैं।

भारत में तेलंगाना में ही 1023 मृत्यु के मामले 2025 में और पूरे भारत में 32 मामले पैसे वाले गेम में आत्महत्या के दर्ज हुए है। विशेषज्ञों का मानना है यह आंकड़ा और भी बड़ा है। इसके लिए समाधान की राह चुननी होगी। बच्चों को पाबंदी से नहीं, प्रेम और संवाद के जरिए समझाना होना। कंट्रोल नहीं कनेक्ट को अपनाना होगा। बच्चे नियम थोपने या अचानक मोबाइल छीनने से विद्रोही बन सकते हैं।

समाधान निम्नलिखित बिंदुओं में निहित हैं:-

डिजिटल डिटॉक्स और पारिवारिक समय जिसमें घर में कम से कम एक घंटा ऐसा हो जहां कोई भी सदस्य फोन का उपयोग न करे। बल्कि साथ भोजन करे और एक-दूसरे के अनुभव सुने।

बच्चों के व्यवहार के सूक्ष्म संकेतों को पहचानें। यदि बच्चा अचानक चुप रहे, उसे नींद न आए, वह अंधेरे कमरे में समय बिताए या उसकी भूख कम हो, तो ये चिंतनीय हैं। उसे जासूसी के लहजे में नहीं, बल्कि मित्र की तरह बात करें।

सक्रिय निगरानी और तकनीकी शिक्षा स्वयं माता-पिता को समझनी होगी।

बच्चा क्या देख रहा है जाने लेकिन इसे बच्चे की निजता का सम्मान के साथ सुरक्षा कवच की तरह लागू करें।

शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा दें। आभासी दुनिया की जीत से बेहतर है मैदान की हार है। बच्चों को खेलकूद, चित्रकारी, संगीत जैसी रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें ताकि उनका डोपामाइन स्तर प्राकृतिक रूप से संतुलित रहे।

आज जागना अनिवार्य है। गाजियाबाद की वह नौवीं मंजिल केवल ईंट-पत्थरों का हिस्सा नहीं थी, बल्कि वह हमारी गिरती हुई पारिवारिक संवेदनाओं का प्रतीक थी। कोई ऐप, कोई रील्स या कोई गेम अपने बच्चों के जीवन से अधिक कीमती नहीं है। यदि हम आज अपने बच्चों के लिए उपस्थित नहीं हुए, तो कल हम उन्हें हमेशा के लिए खो सकते हैं। याद रखिए, बच्चों को महंगे गैजेट्स से अधिक माता-पिता के समय और स्पर्श की आवश्यकता है।

सचेत रहें, संवाद बनाए रखें और अपने घर को फिर से भावनाओं का घर बनाएं, डिजिटल टापू नहीं।

सपना सी.पी. साहू 'स्वप्निल'

स्वरचित, मौलिक व अप्रकाशित आलेख

सत्ता की निष्कंटक राह बरास्ते सुनेत्रा की ताजपोशी

उमेश चतुर्वेदी

राजनीति जज्बात से नहीं, हालात के हिसाब से चलती है। महाराष्ट्र में सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण इसका उदाहरण है। सुनेत्रा के आंसू अभी सूखे भी नहीं, पति अजित पवार के निधन के शोक से उबरना तो दूर की बात है। फिर भी उन्होंने सियासी तकाजे को ही प्राथमिकता दी और महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया। पारिवारिक वज्रपात के बीच सिंहासन पर बैठने को लेकर उनकी आलोचना स्वाभाविक है, क्योंकि समाज के सोचने का अपना ढंग है। सियासी हस्तियों से भी उसे सामाजिक परंपराओं और पारिवारिक संस्कारों को अपनाने की उम्मीद रहती है। सुनेत्रा सामाजिक सवालों से बच नहीं सकतीं। लेकिन सवाल यह है कि सुनेत्रा की ताजपोशी से महाराष्ट्र की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ने जा रहा है? प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर क्या वजह रही कि सुनेत्रा ने आनन-फानन में शपथ ले ली। महाराष्ट्र के राजभवन में जनवरी महीने के आखिरी दिन जो राजनीतिक इतिहास रचा गया, उसकी कहानी किसने लिखी थी।

महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। शरद पवार तो खुलकर स्वीकार भी कर चुके हैं कि उनकी ओर से जयंत पाटिल, अजित पवार से बात कर रहे थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि 12 फरवरी को दोनो पार्टियों के विलय पर अजित और शरद में सहमति हो चुकी थी। लेकिन अजित के न रहने के बाद समीकरण बदल गए। अजित के साथ गए अहम नेताओं प्रफुल्ल पटेल, आर आर पाटिल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं की आशंकाएं बढ़ गईं। उन्हें डर था कि अगर विलय हुआ तो शरद पवार की पार्टी पर नियंत्रण बढ़ जाएगा। इसके चलते सुप्रिया सुले की पार्टी पर पकड़ बढ़ जाएगी। सुप्रिया के नियंत्रण में इन नेताओं का काम करना असहज होता। प्रफुल्ल कभी शरद पवार के बेहद नजदीकी होते थे। अजित के साथ जाकर एक तरह से उन्होंने शरद पवार के साथ दगाबाजी ही की है। उन्हें ज्यादा आशंका थी कि विलय के बाद पार्टी पर पकड़ होने के चलते शरद के बहाने सुप्रिया का चाबुक उन पर चल सकता है। लेकिन अगर पार्टी अलग रहती है और सुनेत्रा के हाथ कमान रहती है तो इन नेताओं की सियासी सेहत बनी और बची रह सकती है। यही वजह है कि अजित के निधन के चलते हुए आधिकारिक शोक की मियाद खत्म होते ही प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे जैसे नेता सक्रिय हो गए। विधायक दल की बैठक बुलाई गई और सुनेत्रा को तत्काल उसका नेता चुनकर उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए तैयार कर लिया गया। शरद पवार भले ही इस सियासी पटकथा का लेखक सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को मानते हों, लेकिन महाराष्ट्र के सियासी हलकों में कहा जा रहा है कि असल में यह पटकथा राज्य की बीजेपी ने लिखा है। पटेल और तटकरे जैसे नेताओं ने सिर्फ इसे अमल में लाने में भूमिका निभाई है।

सवाल उठ सकता है कि अगर सुनेत्रा शपथ नहीं लेतीं तो क्या बीजेपी की सियासी सेहत गड़बड़ा सकती थी, क्योंकि राज्य में बीजेपी के 132 और एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना के 57 विधायक हैं। राज्य में बहुमत के लिए महज 145 सीटें चाहिए होती हैं। इस लिहाज से

देखें तो बीजेपी की अगुआई वाली सरकार को कोई खतरा नहीं होने जा रहा था। अजित समेत एनसीपी के 41 विधायक पिछले चुनाव में चुने गए हैं। अजित के न रहने पर यह संख्या 40 रह गई है। लेकिन बीजेपी की चिंता दूसरी है। शरद पवार की राजनीतिक स्थिति भले ही ठीक ना हो, लेकिन जैसे ही दोनों एनसीपी का विलय होता, शरद ताकतवर होकर उभरते। महाराष्ट्र का यह चाणक्य एक बार फिर स्थापित होता और बीजेपी के लिए नई सिरदर्दी खड़ी हो जाती। शरद पवार इतने प्रभावी और सियासी रूप से तिकड़मी हैं कि बीजेपी के लिए संकट बनकर उभर जाते। उनकी प्रभावी सक्रियता के चलते शिवसेना के गुटों को भी एक करने की वे कोशिश कर सकते थे। भले ही यह सोच कल्पना लग रही हो, लेकिन एकबारगी स्वीकार कर लें कि ऐसा होता तो महाराष्ट्र की राजनीति कैसी होती।

महाराष्ट्र में जिला परिषदों के चुनाव हो रहे हैं। पहले विधानसभा और बाद में स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की अगुआई वाली महाविकास अघाड़ी को सफलता नहीं मिली। अजित पवार के न रहने के चलते कांग्रेस को सक्रिय होना चाहिए था। अजित की अगुआई वाले जिला परिषद उम्मीदवार उनके न रहने की वजह से थोड़े आशंकित और निराश भी हैं। इस निराशा को कांग्रेस भुना सकती थी। वह एनसीपी के उम्मीदवारों पर डोरे डाल सकती थी और अपने उम्मीदवारों को नए जोश से भर सकती थी। अजित बेशक सत्ता में थे, लेकिन उन्हें विपक्षी खेमे के लिए अब भी हसरतभरी निगाह से ताकतवर नेता के रूप में देखा जा रहा था। अजित के न रहने के बाद विपक्षी नेतृत्व के लिए आसमान खुल गया है। शरद पवार की उम्र हो गई है। शरद के बाहर जाने के बाद से ही कांग्रेस राज्य में कमजोर हुई है। सुप्रिया सुले का नेतृत्व ऐसा नहीं है कि वह राज्यव्यापी प्रभाव हासिल कर पाए। यह माहौल कांग्रेस के लिए ज्यादा उपयुक्त हो सकता है। ऐसे माहौल में कांग्रेस को अपने ताकतवर नेतृत्व को स्थानीय स्तर पर आगे लाना चाहिए था। लेकिन वह ऐसा करती नहीं दिख रही। 2014 के बाद से उसने जिस नैरेटिव युद्ध की शैली को अपनाया है, राष्ट्रीय स्तर पर उसी युद्ध प्रक्रिया को जारी रखे हुए है।

रणनीतिक लिहाज से देखें तो महाराष्ट्र में बीजेपी सभी दलों पर एक बार फिर बीस पड़ती नजर आ रही है। उसने सुनेत्रा को अपने खेमे में लाकर एक तीर से दो निशाने साध लिए हैं। उसने एनसीपी की ओर निश्चिंतता हासिल कर ली है, शरद पवार को एक बार फिर किनारे रखने में सफल हुई है और अपने लिए खतरा बनने की शरद की संभावनाओं को एक तरह से नेस्तनाबूद कर दिया है।

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई देश की आर्थिक राजधानी भी है। इसी वजह से केंद्रीय सत्ता के बाद सबसे ज्यादा प्रभावशाली महाराष्ट्र की सत्ता मानी जाती है। माना जाता है कि कारपोरेट और औद्योगिक जगत पर सबसे ज्यादा पकड़ महाराष्ट्र के सिंहासन की होती है। मौजूदा राजनीति में आर्थिकी सबसे ज्यादा प्रभावी है। महाराष्ट्र की सत्ता पर पकड़ देश की आर्थिक ताकतों की नब्ज पर पकड़ बनाती है। यह बताने की जरूरत नहीं है कि बीजेपी अपनी इस पकड़ को कमजोर होते नहीं देखना चाहती। इसलिए उसने सुनेत्रा को साधने में देर नहीं लगाई। इसके लिए एनसीपी के ही नेताओं को अपना औजार बनाया और सफल रही। वैसे भी शरद पवार उम्र के उस पड़ाव पर हैं, जहां से उनके लिए गुंजाइश कम है। उनके पास सक्रिय रहने के लिए ज्यादा वक्त नहीं है। बेशक वे अब भी कमजोर हों, लेकिन बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उद्धव ठाकरे नहीं, शरद पवार ही हैं। सुनेत्रा को अपने खेमें में लाकर बीजेपी ने शरद की इस बची-खुची चुनौती भी खत्म करने में कामयाब रही है। सुनेत्रा के साथ से एकनाथ शिंदे के लिए महायुति से बाहर निकलने की सोचना या बीजेपी पर दबाव बढ़ाने का मौका खत्म हो जाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति शिंदे के साथ के चलते सुनेत्रा की भी रहेगी। बीजेपी सुनेत्रा के जरिए शिंदे को संतुलित करेगी तो शिंदे के जरिए सुनेत्रा को काबू में रखेगी।

संक्षिप्त समाचार

प्रभारी मंत्री दो दिन ग्वालियर प्रवास पर

ग्वालियर। प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट 11 एवं 12 फरवरी को ग्वालियर भ्रमण पर रहेंगे। इस दौरान वे जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट 11 फरवरी को प्रातः ग्वालियर पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके साथ ही वे ओलावृष्टि से प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर किसानों से मुलाकात करेंगे और उनकी समस्याएं जानेंगे। इसी दिन वे डबरा में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। प्रवास के दौरान प्रभारी मंत्री शहर विकास कार्यों की समीक्षा कर जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे।

डीडी नगर से महाराजा कॉम्पलेक्स चौराहा तक चलाया सफाई अभियान

ग्वालियर। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत ग्वालियर में वायु सुधार हेतु जन जागरूकता कार्य के अंतर्गत मेगा ड्राइव फॉर माइक्रो डस्ट क्लीनिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिसके चलते डीडी नगर गेट नम्बर 01 से महाराजा कॉम्पलेक्स चौराहा तक अभियान चलकर रोड की सफाई की गई। जिसके तहत वॉर्ड क्रमांक18 में मेगा ड्राइव फॉर माइक्रो डस्ट क्लीनिंग अंतर्गत सड़कों की सफाई कर अतिक्रमण हटाने, ठेले वालों से 1600 रुपए जुर्माने की वसूली की गई। कार्रवाई के दौरान दीपाली पांडे, क्षेत्रीय अधिकारी राजेश सिंह भदौरिया, ज्योति सिंह चौहान उपस्थित रहे।

कायस्थ एकता मंच ने बलिदानी परिवारों का किया सम्मान

ग्वालियर। राष्ट्रीय कायस्थ एकता मंच द्वारा गुरुवार को बलिदानी परिवारों का सम्मान किया गया। जिसमें कारगिल युद्ध में बलिदान हुए हवलदार सरमन सिंह की धर्मपत्नी सरोज देवी एवं बीकानेर में बलिदान हुए मनोज सिंह की धर्मपत्नी गिरीश देवी को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर नूतन श्रीवास्तव, प्रकाश सक्सेना, डॉ. उदय श्रीवास्तव, महेश सक्सेना, पवन भटनागर, प्रदीप भटनागर एवं सीमा सक्सेना उपस्थित रहे।

मॉकड्रिल के दौरान कार सवारों ने मारी टक्कर, निरावली पर पकड़े

दुस्साहसः आरक्षक को बोनट पर लटकाकर 50 मीटर तक घसीटा, एफआरवी में भी मारी टक्कर

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

डीबी मॉल में एनएसजी कमांडो के अभ्यास के दौरान यातायात व्यवस्था में तैनात आरक्षक को तेज गति से कार दौड़ा रहे चालक ने टक्कर मारकर गिरा दिया। बाद में कार में सवार युवकों ने कार के अंदर खींचकर मारपीट कर दी और कार के बोनट पर पटक दिया। युवक आरक्षक को बोनट पर लटकाकर 50 मीटर तक घसीटते हुए ले गए और बाद में पटककर भाग गए। कार को निरावली में रोकने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने एफआरवी में भी टक्कर मार दी। पुलिस ने दो घंटे से ज्यादा दौड़ भाग करने के बाद कार सवार तीन युवकों को पकड़ा।

बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात को एनएसजी कमांडो डीबी मॉल में आंतकी हमले का अभ्यास कर रहे थे। इस दौरान बस स्टैण्ड मोड पर यातायात डीएसपी अजीत सिंह चौहान के साथ गोला का मंदिर यातायात थाने में पदस्थ आरक्षक रवि कुमार विमल, दिगम्बर शर्मा और चालक देवेन्द्र कुमार डयूटी पर तैनात थे। रात 12:10 बजे कार क्रमांक एमपी 07 सीजे 1124 का चालक बस स्टैण्ड की तरफ से तेजी व लापरवाही से चलाते हुए लाया। चालक को आवाज लगाकर कार रोकने को कहा तो उसने कार को रोकने के बजाय तेज दौड़ा दिया तभी आरक्षक ने स्टॉपर को लगा दिया। चालक ने फिर भी कार को नहीं रोका और रवि कुमार को उसने टक्कर मार दी। तभी कार में सवार दो युवकों ने आरक्षक को कार के अंदर खींच लिया और दरवाजे के पास पटक लिया। आरक्षक ने किसी तरह छूटने का प्रयास किया तभी एक युवक ने उसको पकड़ा और बोनट पर पटक दिया। इसके बाद कार सवार कार को दौड़ाने लगा। बताया गया है कि चालक रवि कुमार आरक्षक को बोनट पर लटकाकर 50 मीटर तक घसीटकर ले गया। कार सवार युवकों की करतूत को देख डयूटी पर तैनात अन्य स्टॉफ ने उन्हें रोकने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने कार को तेजी से दौड़ा दिया। आगे जाकर रवि कुमार को पटककर मौके से भाग गए। दुस्साहसिक अंदाज में आरक्षक को बोनट पर लटकाकर भागे युवकों को पकड़ने के लिए वायरलैस सेट पर पाइंट चलाया गया। कार से गिरकर आरक्षक घायल हो गया। रवि कुमार की शिकायत पर सोहेल, अंकित व मुनेन्द्र के खिलाफ धारा 132, 121 (1) 127 (2) 281, 125 (ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

गोला का मंदिर थाने की एफआरवी को मारी टक्कर

जैसे ही कार सवारों द्वारा आरक्षक को गिराने की सूचना मिली गोला का मंदिर थाने की एफआरवी 129 ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। गोला का मंदिर चौराहा से कार सवार युवकों का एफआरवी ने पीछा करना शुरू किया और उनको पुरानी छावनी निरावली मुरैना रोड पर घेराबंदी कर रोकने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने एफआरवी को भी टक्कर मार दी। पुलिस ने घेराबंदी कर कार सवार तीन युवकों को पकड़ लिया।

पकड़े गए युवकों के नाम

सोहेल पुत्र राशिद खान 26 वर्ष निवासी गोंहदी गोहद भिंड, मुनेन्द्र पुत्र स्व. विजयराम सिंह भदौरिया 35 वर्ष निवासी हरीच्छा गोरमी भिंड और अंकित पुत्र केशव सिंह गुर्जर 19 वर्ष निवासी कल्याणपुरा राऊ गोरमी भिंड। पकड़े गए तीनों युवक नशा किए हुए थे और मजदूरी करते हैं।

पहले भी हो चुकी हैं घटनाएँ

यह पहला मामला नहीं है जब खाकीधारी को कार चालकों ने बोनट पर लटकाया हो। चालकों की करतूत के कारण खाकीधारियों की जान पर बन आती है। रवि कुमार भी घटना के बाद घबराया था। रवि का कहना है कि उसे टक्कर के बाद चालक ने कार को रोकने के बजाय दौड़ा दिया जिससे मैं घबरा गया था। गिरने से सिर व पैर में चोट लग गई है।

इनका कहना है

कार सवार तीनों युवकों को पकड़कर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। युवक नशा किए हुए थे। युवकों ने काफी परेशान किया उसके बाद ही पकड़े गए।

शैलेन्द्र भार्गव
पड़ाव थाना प्रभारी

शेजवलकर ने किया ओलावृष्टि से नष्ट हुई फसलों का निरीक्षण

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने गुरुवार को भितरवार क्षेत्र के ग्राम सिकरौदा, बड़की सराय और कछौआ के ग्रामीणों से मुलाकात कर नष्ट हुई फसलों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों के साथ ओलावृष्टि से नष्ट हुई गेहूं की फसल के नुकसान का आकलन करने खेतों का निरीक्षण भी किया। खेतों में खड़ी फसल गल और सड़ गई थी। जिससे किसानों में निराशा है। पूर्व सांसद ने तत्काल दूरभाष पर जिलाधीश रुचिका चौहान से भी चर्चा कर समुचित मुआवजा दिए जाने की बात कही। ताकि कोई भी पीड़ित किसान मुआवजे से वंचित न रहे। जिलाधीश से हुई चर्चा में उन्होंने कहा कि पीड़ित किसानों को विद्युत बिलों में राहत दिए जाने के साथ वैकल्पिक खेती मूंग और उड़द के लिए बीज उपलब्ध कराए जाएं। जिससे पीड़ित किसानों को कुछ लाभ मिल सके। उन्होंने उपस्थित पटवारी और किसानों से आग्रह किया कि 72 घंटे में वह अपनी जानकारी शासन के पोर्टल पर दर्ज कराएं जिससे कोई भी किसान मुआवजे के लाभ से वंचित न रहे। इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ग्रामीण बज्जर सिंह गुर्जर, मंडल अध्यक्ष कुलवंत सिंह बाजवा, मुकेश सिंह, मुकेश भार्गव, कृष्ण सिंह, रामहेत जाटव, सोबरन सिंह, कमल धानुक, प्रदुम सिंह पटेल, आदेश शर्मा और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

आइस प्लांट से आत्मनिर्भर बनीं पूनम हर माह एक लाख की आमदनी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

कहते हैं कि जहां मजबूत इच्छाशक्ति होती है, वहां सफलता का रास्ता खुद-ब-खुद बन जाता है। इस कथन को ग्वालियर की पूनम गोस्वामी ने सच कर दिखाया है। बाजार की जरूरत को समझते हुए उन्होंने आइस प्लांट लगाने का निर्णय लिया और आज इससे हर माह लगभग एक लाख रुपए की कमाई कर रही हैं। पूनम गोस्वामी ने आइस प्लांट स्थापित करने से पहले जिले के बाजारों का गहन अध्ययन किया। डबरा, टेकनपुर, ग्वालियर, पिछोर सहित विभिन्न क्षेत्रों के मत्स्य बाजारों में बर्फ की लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए उन्होंने इस क्षेत्र में निवेश करने का फैसला किया। आइस प्लांट की कुल लागत करीब 80 लाख रुपए थी, जो उनके लिए संभव नहीं थी। ऐसे में शासन की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) उनके लिए सहारा बनी। योजना के अंतर्गत उन्हें 80 लाख रुपये का ऋण और 48 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने आइस प्लांट की स्थापना की। वर्तमान में इस प्लांट से प्रति माह करीब 20 मीट्रिक टन बर्फ का उत्पादन हो रहा है, जिसकी सप्लाई पूरे जिले में की जा रही है। यह आइस प्लांट ग्वालियर संभाग का सबसे बड़ा प्लांट है।

घंटों इंतजार के बाद भी नहीं पहुंची गाड़ी, सड़क पर पड़ा रहा मृत गौवंश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शहर में गौवंशों के प्रति नगर निगम द्वारा लगातार लापरवाही बरती जा रही है। समय पर इलाज न मिलने से एक गौवंश ने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया, वहीं मृत गौवंश को उठाने के लिए जिम्मेदार एजेंसी ने घंटों तक कोई सुध नहीं ली। इस घटना को लेकर गोपाल गौसेवा समिति, ग्वालियर मध्य भारत के सदस्यों में भारी आक्रोश है।

समिति के सदस्य शेखर सिंह तोमर ने बताया कि लधेड़ी बिजली घर के पास राजा की मंडी क्षेत्र में एक गौवंश की मौत के बाद सुबह करीब 12 बजे मृत गौवंश उठाने वाली एजेंसी को फोन किया गया। शिकायत दर्ज कराने के बावजूद देर रात तक कोई वाहन मौके पर नहीं पहुंचा। फोन नंबर 92294 33497 पर बार-बार संपर्क किया गया, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहा।

इसी तरह दूसरी घटना सिंधिया नगर पहाड़िया क्षेत्र की है, जहां गौसेवक मोहित जोशी ने बताया कि दोपहर 2:30 बजे एक गौवंश ने दम तोड़ दिया, लेकिन मृत गौवंश को उठाने के लिए दो दिन तक कोई नहीं आया। इस दौरान आवारा श्वान मृत गौवंश को नोचते रहे।

गौसेवकों का कहना है कि सनातन धर्म में गौमाता को माता का दर्जा दिया गया है, लेकिन नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी मनमानी पर उतरे हुए हैं। शहर में रोजाना 50 से 60 गौवंशों की मौत हो रही है, न तो समय पर इलाज मिल रहा है और न ही मृत गौवंशों का सम्मानजनक उठान किया जा रहा है। गौसेवक मोहित जोशी ने आयुक्त से मांग की है कि यदि ठेकेदार काम करने में असमर्थ हैं तो उनका ठेका तत्काल निरस्त किया जाए। वाहनों की कमी का बहाना बनाकर ड्यूटी में लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शैल संरचनाओं में छिपा है पृथ्वी का इतिहास : मित्रा

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय की भू विज्ञान अध्ययनशाला एवं भूविज्ञान विभाग, शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दो फरवरी से शुरू हुए पांच दिवसीय विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का समापन समारोह गुरुवार को भूविज्ञान अध्ययनशाला, जीवाजी विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। व्याख्यान एवं क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम में दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों ने डॉ. सुमित मित्रा, सेवानिवृत्त डिप्टी डायरेक्टर जनरल, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारत सरकार के मार्गदर्शन में ग्वालियर एवं आसपास के क्षेत्रों में संरचनात्मक भूविज्ञान के सैद्धांतिक, व्यावहारिक एवं फील्ड मैपिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। समारोह में डॉ. मित्रा ने कहा की शैल संरचनाओं के अध्ययन से पृथ्वी के इतिहास, उसमें हुई भूगर्भीय हलचलों एवं भूवैज्ञानिक रहस्यों का उद्घाटन किया जा सकता है, जिसके लिए विद्यार्थियों को क्षेत्र में संरचनाओं का सूक्ष्म एवं गहन अध्ययन करना चाहिए। भूविज्ञान अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. एसएन मोहापात्रा ने विद्यार्थियों से प्रतिपुष्टियां प्राप्त कीं और भूविज्ञान विषय में संरचनात्मक भूविज्ञान शाखा के महत्व का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विशेष रूप में प्रो. विवेक बापट, संकायाध्यक्ष, आजीवन शिक्षा एवं समाज कार्य, डॉ. पीके जैन मौजूद थे। आभार भूविज्ञान विभाग, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. सुयश कुमार ने व्यक्त किया।

मेला में पहली बार वायुसेना की बैंड टुकड़ी देगी प्रस्तुति

ग्वालियर। ग्वालियर व्यापार मेले के इतिहास में इस वर्ष एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। पहली बार भारतीय वायुसेना की 16 सदस्यीय बैंड टुकड़ी मेले में 6 और 7 फरवरी को अपनी सुमधुर और जोशीली धुनों के माध्यम से देशभक्ति की अलख जगाएगी। वायुसेना बैंड की यह प्रस्तुति राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और शौर्य से ओतप्रोत होगी जो दर्शकों के मन में देशभक्ति की भावना को और प्रबल करेगी। इसके साथ ही मेला परिसर में भारतीय वायुसेना के कार्यों, उपलब्धियों और राष्ट्र रक्षा में योगदान पर केंद्रित एक भव्य प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में वायुसेना की आधुनिक तकनीक, साहसिक अभियानों, आपदा राहत कार्यों तथा युवाओं के लिए उपलब्ध कॅरियर अवसरों की जानकारी आकर्षक माध्यमों से प्रस्तुत की जाएगी। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम होगा, बल्कि आमजन विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों के लिए भारतीय वायुसेना के गौरवशाली इतिहास और दायित्वों को नजदीक से जानने का सुनहरा अवसर भी बनेगा।

संयम और धैर्य के साथ करें पढ़ाई

ग्वालियर। मॉर्निंग स्टार स्कूल में गुरुवार को कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह हुआ। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए प्राचार्य सोनाली सिकरवार ने कहा कि वह संयम और धैर्य के साथ पढ़ाई करें, जिससे बोर्ड परीक्षा में अच्छे नंबर आएं। इस समारोह में पुष्पेन्द्र पाल को स्टूडेंट ऑफ द ईयर, आस्था शर्मा को मॉर्निंग स्टार छात्रा और ऋषि यादव को मास्टर मॉर्निंग स्टार छात्र चुना गया। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक परमानंद त्यागी, प्रीति त्यागी आदि उपस्थित रहे।

अवैध गिट्टी परिवहन करते दो डंपर जब्त

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

अवैध खनिज परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए दो डंपरों को जब्त किया गया है। खनिज अधिकारी घनश्याम सिंह यादव द्वारा बिलौआ क्षेत्र में की गई चेकिंग के दौरान दोनों डंपर गिट्टी से भरे हुए पाए गए। जांच के दौरान चालकों द्वारा रॉयल्टी की रसीद प्रस्तुत नहीं की जा सकी। इसके चलते दोनों डंपरों को जब्त कर बिलौआ थाने की अभिरक्षा में रखवाया गया है।

जीवाजी विवि में मेंटल हेल्थ क्लब शुरू

अवसाद दूर करने परामर्श और संवाद जरूरी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जीवाजी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय के मानसिक, भावनात्मक एवं सामाजिक कल्याण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मेंटल हेल्थ क्लब का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर के सीआईएफ विभाग में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य ने की, कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मनोचिकित्सक डॉ. प्रियंका शर्मा ने युवाओं में बढ़ते तनाव, अवसाद एवं चिंता के कारणों पर प्रकाश डालते हुए समय रहते परामर्श, संवाद एवं सहयोग को अत्यंत आवश्यक बताया।

अध्यक्षीय संबोधन में कुलगुरु प्रो. आचार्य ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य आज उच्च शिक्षण संस्थानों की प्राथमिक जिम्मेदारी बन चुका है। शैक्षणिक उत्कृष्टता तभी संभव है जब विद्यार्थी मानसिक रूप से संतुलित एवं भावनात्मक रूप से सशक्त हों। मेंटल हेल्थ क्लब इस दिशा में एक संवेदनशील एवं स्थायी मंच के रूप में कार्य करेगा।

कुलसचिव डॉ. मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्र-कल्याण से जुड़े सभी प्रयासों को पूर्ण संस्थागत सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि यह क्लब विश्वविद्यालय की दीर्घकालिक छात्र-कल्याण नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा, जिसके माध्यम से नियमित कार्यशालाएं, परामर्श सेवाएं एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्य अतिथि डॉ. प्रियंका शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक कलंक को आज भी एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे क्लब युवाओं में जागरूकता फैलाने, प्रारंभिक स्तर पर समस्याओं की पहचान करने तथा आत्महत्या रोकथाम जैसे संवेदनशील विषयों पर सकारात्मक हस्तक्षेप में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर मेंटल हेल्थ क्लब का औपचारिक उद्घाटन नेशनल टास्क फोर्स की इकाई के रूप में किया गया। क्लब की नोडल अधिकारी डॉ. साधना श्रीवास्तव भी इस अवसर पर मौजूद थीं।

जमुना बाई मेमोरियल ट्रस्ट का हृदय रोग परीक्षण शिविर 7 को

डॉ. जमाल को पद्मश्री दिए जाने की उठी मांग

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जमुना बाई मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में 7 फरवरी शनिवार को सुबह 10 बजे से महावीर भवन कंपू में स्व. अंशारानी अग्रवाल की स्मृति में विशाल हृदय रोग परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जीबी पंत नई दिल्ली के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. यूसूफ जमाल परीक्षण कर परामर्श देंगे। आयोजकों ने डॉ. जमाल के स्वास्थ्य क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए केन्द्र सरकार से पद्मश्री दिए जाने की मांग की है। इसके लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखे जाएंगे।

यह जानकारी पत्रकारों से चर्चा करते हुए ट्रस्ट के सचिव एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य संजीव अग्रवाल कुक्कू ने दी। उन्होंने बताया कि डॉ. जमाल का नाम ग्वालियर में हृदय रोगियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं, क्योंकि ग्वालियर के मरीजों के लिए वह सदैव तत्पर रहते हैं। उनके द्वारा देश-विदेश के लाखों मरीजों की एंजियोप्लास्टी कर जान बचाई जा चुकी है।

वहीं ग्वालियर के हजारों मरीज इस सुविधा का लाभ उठाकर स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। श्री अग्रवाल ने बताया कि स्वयं उनके द्वारा लगभग दो से ढाई हजार मरीज दिल्ली भेजे जा चुके हैं जिनको डॉ. जमाल ने नया जीवन प्रदान किया। इनमें अनेक मरीज ऐसे भी हैं जिन्हें बड़े-बड़े अस्पतालों ने या तो निराश कर दिया या फिर सात से दस लाख रुपए खर्च कर बायपास सर्जरी करने की सलाह दी। फिर जब यही मरीज जेबी पंत में डॉ. जमाल के पास पहुंचे तो उन्हें कुछ जरूरी दवाएं अथवा एंजियोप्लास्टी के जरिए बचा लिया गया। डॉ. जमाल के स्वास्थ्य सेवाओं में विशेष योगदान के लिए केंद्र सरकार से पद्मश्री से सम्मानित करने की मांग की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि चूंकि हृदय रोगियों के लिए इकोकार्डीयोग्राफी जांच महत्वपूर्ण होती है। इसलिए संस्था एक नई मशीन खरीदकर मात्र 300 रुपए में यह जांच सुविधा उपलब्ध कराएगी। इसकी जांच रिपोर्ट देखकर दिल्ली से डॉ. जमाल परामर्श दिया करेंगे। पत्रकार वार्ता में चेंबर ऑफ कॉमर्स के मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल, शरद गोयल, संदीप देव, अभिषेक चतुर्वेदी गप्पू मौजूद रहे।

कथक साधना महोत्सव में छात्रा मुस्कान जैन की सशक्त प्रस्तुति

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर के कथक नृत्य विभाग द्वारा आज कथक साधना महोत्सव का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा मुस्कान जैन ने अपनी भावपूर्ण एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु वंदना से हुआ। इसके पश्चात मुस्कान जैन ने तीनताल में क्रमबद्ध रूप से उठान, आमद, तोड़ा , टुकड़ा, तिहाई, परण एवं कवित्त की प्रभावशाली प्रस्तुति दी,

जिसमें लय, ताल एवं अंग-संचालन की स्पष्टता भली-भांति दृष्टिगोचर हुई। कार्यक्रम के समापन में उन्होंने राग बागेश्री पर आधारित 'कान्हा गिरधारी' ठुमरी की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर कृष्ण-भक्ति का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रोफेसर स्मिता सहस्त्रबुद्धे कुलसचिव अरुण सिंह चौहान, वित्त नियंत्रक डॉ. आशुतोष खरे सहित अनेक गणमान्यजन ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े रहे। कार्यक्रम के अंत में कथक नृत्य विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना झा ने सभी अतिथियों, कलाकारों एवं ऑनलाइन माध्यम से जुड़े दर्शकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

जंतु जगत

प्रत्यूष शर्मा

बच्चों, फूलों पर मंडराती रंग-बिरंगी प्यारी तितलियां, हर किसी का मन मोह लेती हैं। दुनिया भर में इन तितलियों की अनेक प्रजातियां हैं। यहां बताई जा रही तितलियों में से एक तितली को छोड़कर बाकी तितलियों को अपने-अपने राज्यों में राजकीय तितली घोषित किया गया है। जानो, इन मनभावन तितलियों के बारे में।

मनमोहक रंग-बिरंगी तितलियां

89-98 तितली

इस तितली का वास्तविक नाम डायएथ्रिया फ्लोजिया या यूक्लिड्स फ्लोजिया है। यह 89, 98 उपनाम से भी जानी जाती है, क्योंकि इसके पंखों पर 89 और 98 अंक जैसे चिन्ह अंकित होते हैं। यह एक ऐसी तितली है, जो संख्याओं का एक सेट पहनकर घूमती है। लगभग 200-1700 मीटर की ऊंचाई पर रहने वाली ये तितलियां बहुत ही एक्टिव रहती हैं। ये तितलियां एक जगह पर ज्यादा नहीं टिकती हैं यानी एक स्थान पर कुछ सेकेंड से ज्यादा आराम नहीं करती हैं। ये तितलियां सूर्यास्त से पहले अपने पंख फैलाकर धूप सेंकती देखी जाती हैं। रात होने पर ये किसी पत्ते के नीचे बैठकर आराम करती हैं। ये तितलियां कोलंबिया समेत दक्षिण अमेरिका के कई अन्य देशों में पाई जाती हैं। *

केसर-ए-हिंद तितली

इस तितली का वैज्ञानिक नाम टीनोपालपस इंपीरियलिस है। इसे अरुणाचल प्रदेश की राज्य तितली का दर्जा दिया गया है। केसर-ए-हिंद, जंगल में पाई जाने वाली सबसे दुर्लभ तितलियों में से एक है। यह तितली पूर्वी हिमालय में पाई जाती है। इस तितली को दिया गया नाम 'केसर-ए-हिंद' का शाब्दिक अर्थ 'भारत का सम्राट' है। इस तितली को मध्यम और उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यानी 6,000 से 10,000 फीट की ऊंचाई पर देखा जा सकता है। इस तितली की उड़ान बहुत तेज होती है, यह पेड़ की चोटी पर बहुत तेज गति से पहुंच जाती है। केसर-ए-हिंद तितली भारत के अलावा नेपाल, भूटान, वियतनाम, म्यांमार, लाओस और दक्षिणी चीन में भी पाई जाती है। *

ब्लू पैंसी बटरफ्लाई

ब्लू पैंसी तितली, जम्मू कश्मीर की राज्य तितली है। ब्लू पैंसी तितली अपने चमकीले नीले और काले पंखों के लिए जानी जाती है, जो नारंगी रंग के धब्बों से सजे होते हैं। यह तितली जम्मू-कश्मीर के घास के मैदानों में और उद्यानों में पाई जाती है। *

ब्लू मॉर्मन बटरफ्लाई

ब्लू मॉर्मन तितली का वैज्ञानिक नाम पैपिलियो पॉलीमेनेस्टर है। आकर्षक रंग और बड़े-बड़े पंखों वाली यह तितली बहुत ही मनमोहक लगती है। इसे महाराष्ट्र की राज्य तितली घोषित किया गया है। बच्चों, इस तितली के बारे में एक खास बात यह भी जान लो कि महाराष्ट्र भारत का पहला ऐसा राज्य है, जिसने साल 2015 में अपनी राज्य की राजकीय तितली घोषित किया थी। इसके बाद कुछ अन्य राज्यों में भी अपने-अपने राज्य की राजकीय तितलियों की घोषणा की गई। ब्लू मॉर्मन भारत के अलावा श्रीलंका में भी बहुतायत में पाई जाती है। *

पीकॉक बटरफ्लाई

पीकॉक तितली को पैपिलियो बियानोर के नाम से भी जाना जाता है। इसे भारत के उत्तराखंड राज्य की राज्य तितली का दर्जा प्राप्त है। इस तितली के पंखों पर पीकॉक यानी मोर की तरह बड़े-बड़े धब्बे और पैटर्न बने होते हैं। इन धब्बों और पैटर्न्स की वजह से ही इसे 'पीकॉक बटरफ्लाई' कहा जाता है। यह तितली जंगल, घास के मैदान, खेत, पार्क आदि में रहती है। इसके पंखों के नीचे का हिस्सा गहरे भूरे-काले रंग का होता है। पीकॉक तितली की एक खासियत यह भी होती है कि यह आस-पास के रंगों और माहौल में घुल-मिल जाती है। कोई खतरा भांपते ही किसी पत्ते की तरह स्थिर हो जाती है, जिससे इसके शिकार के लिए आया कोई शिकारी जंतु इसे पहचान नहीं पाता। यह तितली यूरोप, एशिया महादेशों और जापान के समशीतोष्ण क्षेत्रों में पाई जाती है। *

छोटी कहानी / समीर गांगुली

नदी के इस पार इंसान का बच्चा तो दूसरे पार शेर का बच्चा था। दोनों ने एक-दूसरे को देखा और नदी में उतर कर शरारत करने लगे। पढ़ो एक मजेदार कहानी।

दोस्ती-दुश्मनी

शेर जंगल की तरफ था। छोटा था छह महीने का।

शेरू गांव की तरफ था। वह भी छोटा था छह साल का।

दोनों के बीच नदी बह रही थी।

आज से पहले शेर ने दो पैर से चलने वाले किसी को नहीं देखा था। शेरू ने भी सचमुच का शेर नहीं देखा था। सो दोनों एक-दूसरे को देखने लगे। नदी के इस पार, उस पार से।

फिर दोनों ने नदी का पानी पीया। पहली बार अपने-अपने तरीके से, दूसरी बार दूसरे के तरीके से। फिर कुछ देर तक वे एक-दूसरे को देखते रहे।

शेरू को मजाक सूझा। वह पानी में उतरा और दोनों हाथों से पानी को छपछपाने लगा। यह देख शेर भी पानी में उतरा और पानी को छपछपाने लगा। ऐसा करके उन्होंने इतना पानी उछाला कि दोनों भीग गए।

तभी उनकी नजर ऊपर से नदी में बहती आ रही एक लंबी-मोटी चीज पर पड़ी। यह एक मोटे पेड़ का तना था, जो पहाड़ों से बहता चला आ रहा था। लेकिन उन्होंने इसे पानी का जानवर समझा और डर कर किनारों के बड़े पत्थरों के पीछे जा छिपे। जब तना बहता हुआ आगे चला गया तो उनका डर दूर हुआ। दोनों फिर से बाहर आकर एक-दूसरे की तरफ देखने लगे।

नदी गहरी थी और दोनों ही तैरना नहीं जानते थे, मगर वे एक दूसरे को और नजदीक से देखना चाहते थे। इसलिए वे फिर से पानी में उतर गए और दो कदम आगे, एक कदम पीछे करके थोड़ा आगे बढ़े। शेर दो पैर से चलना चाहता था। शेरू भी चार पैर की चाल देखना चाहता था। शायद दोनों एक-दूसरे से दोस्ती करना चाहते थे।

शेर ने आवाज लगाई, 'आऽऽऽऽ आऽऽऽ!'

शेरू ने भी आवाज लगाई, 'आऽऽऽऽ आऽऽऽऽ!'

तभी जंगल की तरफ से एक दहाड़ गूंजी। शेरू ने देखा, एक बहुत बड़ा शेर नदी के उस पार आकर खड़ा हो गया था। वह छोटे शेर का बाप था।

नदी के इस पार शेरू की तरफ भी तभी हलचल हुई, हवा में बंदूक की 'धांय' की आवाज गूंज उठी।

इधर शेरू का बापू शंभू अपनी दुनाली बंदूक के साथ खड़ा था।

नदी के दोनों पार, अब दोनों बच्चे अपने पिता के साथ थे।

शेर अपने बेटे को आदमी के बारे में बता रहा था और आदमी अपने बेटे शेरू को शेर के बारे में बता रहा था। बहुत बुरा, डरावना और नफरत लायक। फिर सब जहां से आए थे, वहां लौट गए।

शेर और शेरू ने एक बार भी मुड़कर एक-दूसरे की तरफ नहीं देखा। *

जीके क्विज-140

1. हाल में संपन्न 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में किस राज्य ने सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार जीता?
2. असम के मुख्यमंत्री ने किस शहर को राज्य की दूसरी राजधानी बनाने की घोषणा की है?
3. खेलो इंडिया विंटर गेम्स का आयोजन कहां किया जा रहा है?
4. हाल ही में देश का केंद्रीय बजट पेश करने वाली वित्त मंत्री का क्या नाम है?
5. सबसे भारी धातु कौन सी है?
6. भारत में मीठे पानी की सबसे बड़ी झील कौन-सी है?
7. शरीर का कौन-सा अंग हमारे रक्त को शुद्ध करता है?
8. किस देश को 'केक की भूमि' कहा जाता है?
9. सेब में कौन-सा एसिड पाया जाता है?
10. विश्व का सबसे बड़ा द्वीप कौन-सा है?

बच्चों, जीके क्विज-140 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने

जीके क्विज-139 का उत्तर : 1.प्रलय, 2.ऋषभ पंत, 3.टेनिस, 4.बाबर, 5.मौलाना अबुल कलाम आजाद, 6.क्षोभमंडल (ट्रोपोस्फेयर), 7.भारत और चीन, 8.प्रशांत महासागर, 9.स्वामी विवेकानंद, 10.बौद्ध धर्म

जीके क्विज-139 का सही उत्तर देने वाले : क्षमा-बिलासपुर, रमेश-रायगढ़, कबीर-हिसार, डिंपल-बिलासपुर, बी.ईशान-अहमदाबाद, बी.आकांक्षा-अहमदाबाद, मनोज-ईमेल से, राहुल-रोहतक, कुसुम-रायपुर, जतिन-महेंद्रगढ़

हंसगुल्ले

रिंकी : चलो, डिनर कर लो।

पिंकी : लेकिन अभी तो दोपहर है। डिनर तो रात के खाने को कहते हैं।

रिंकी : हां, यह रात का बचा हुआ खाना ही है।

-अंशु, रायपुर

टीचर : मैं जो सवाल पूछूं, उसका जवाब फटाफट देना।

रोहन : जी मैम।

टीचर : बताओ, ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कहां है?

रोहन : फटाफट...।

-जीवेश, बिलासपुर

साइंस टीचर : कौन-सा लिक्विड गर्म करने पर सॉलिड बन जाता है?

राजू : बेसन के पकौड़े।

-तनुजा, बेमेतरा

कहानी / सरस्वती रमेश

दादी ने अपने घर में एक लाइब्रेरी बना रखी थी। इस लाइब्रेरी में बच्चे भी किताबें पढ़ने आते थे। दादी को लगा कि लाइब्रेरी छोटी पड़ रही है तो उन्होंने एक बड़ी जगह खोज ली। अब समस्या यह थी कि इतनी ढेर सारी किताबें वहां पहुंचाई कैसे जाएं? लेकिन बच्चों ने ऐसा कुछ करिश्मा दिखाया कि सारी किताबें नई जगह पर देखते ही देखते शिफ्ट हो गईं!

जादूगर बच्चे

कनिका को किताबें पढ़ने का बहुत शौक था। यह शौक उसे अपनी दादी से मिला था। असल में दादी ने अपने घर में ही एक छोटी-सी लाइब्रेरी बना रखी थी। उस लाइब्रेरी में तरह-तरह की ज्ञानवर्धक किताबें थीं। दादी जब भी फुर्सत में होतीं, लाइब्रेरी में बैठकर किताबें पढ़तीं। लाइब्रेरी की किताबें बड़ों के लिए ही नहीं, बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक थीं। दादी को पढ़ता देखकर कनिका भी लाइब्रेरी में जाने लगी। दादी ने अपनी लाइब्रेरी में बच्चों की ढेर सारी पत्रिकाएं, कॉमिक्स, स्टोरी बुक्स और जीके बुक्स लाकर रख दीं। ताकि कनिका को पढ़ने में दिलचस्पी पैदा हो। ये किताबें इतनी इंटरेस्टिंग थीं कि रविवार को कनिका के दोस्त भी वहां आकर किताबें पढ़ने लगे। धीरे-धीरे दादी की सहेलियों से ज्यादा वहां कनिका के दोस्त आने लगीं। दादी भी उनका पूरा ख्याल रखतीं। उन्होंने लाइब्रेरी को पूरी तरह बच्चों के लिए समर्पित कर दिया। अब तो आस-पास के खूब सारे बच्चे छुट्टी के दिन वहां जुटते। रविवार के दिन तो कनिका के घर में जैसे कोई बुक फेयर चल रहा होता। भीड़ बढ़ती देखकर दादी को महसूस हुआ कि लाइब्रेरी कहीं और शिफ्ट करनी पड़ेगी, क्योंकि अब घर में जगह कम पड़ने लगी थी।

जल्दी ही दादी ने घर के पास ही एक जगह देख ली। इसमें बड़ा-सा हॉल खाली पड़ा था, जिसके सामने एक छोटा-सा गार्डन भी था। बच्चे लाइब्रेरी से किताबें लेकर गार्डन में बैठकर पढ़ सकते थे। इसलिए दादी को यह जगह बहुत पसंद आई। उन्होंने लाइब्रेरी के लिए फर्नीचर का भी इंतजाम कर लिया, जिसमें किताबें रखी जा सकें और बच्चे बैठकर पढ़ सकें। जब लाइब्रेरी तैयार हो गई तो किताबें शिफ्ट करने की बारी आई। किताबें बहुत ज्यादा थीं। दादी घुटनों में दर्द के कारण बहुत चल-फिर नहीं पाती थीं। फिर किताबें किस तरह शिफ्ट की जाएं, दादी सोच में पड़ गईं। उन्होंने कनिका को अपनी चिंता बताई।

'दादी आप चौक पर से मजदूर लेकर आ जाएं, वो मजदूरी में कुछ पैसे लेकर किताबें वहां पहुंचा देंगे।' कनिका ने सुझाव दिया।

'लेकिन मेरे पास जितने भी पैसे थे, वह मैंने नई लाइब्रेरी के किराए और फर्नीचर के लिए दे दिया। अब तो मेरे पास बहुत कम पैसे बचे हैं, कब, कैसी जरूरत पड़ जाए पता नहीं, ये पैसे तब संकट में काम आएंगे। इन पैसे का मेरे पास रहना जरूरी है।' दादी ने कहा।

कनिका सोच में पड़ गई। बिना पैसे के तो कोई भी मजदूर नहीं आएगा। थोड़ी देर सोचने के बाद उसने चुटकी बजाते हुए जोर से कहा, 'आइडिया!'

दादी ने चौंक कर पूछा, 'कैसा आइडिया!'

'कल किताबें अपने-आप शिफ्ट हो जाएंगी। दादी बस आप देखती जाओ।' यह कहकर कनिका चली गई।

'किताबें अपने-आप कैसे शिफ्ट हो सकती हैं!' दादी मन ही मन सोच में पड़ गईं। अगले दिन रविवार था। दादी सब्जी लेने बाजार गई थीं। हर बार की तरह कनिका के सारे दोस्त और मोहल्ले के बच्चे कनिका के घर पहुंच गए। कनिका ने किताबें शिफ्ट करने की अपनी योजना के बारे में बच्चों को बताया। 'यह तो बहुत मजेदार प्लान है।' राहुल बोला। 'हां... हां...! यह तो किसी खेल जैसा है।' सुप्रिया बोली। फिर सारे बच्चे खुशी से चिल्लाते हुए चल पड़े। बच्चों ने कनिका के घर से शुरू करके नई लाइब्रेरी तक ह्यूमन चेन बना ली। फिर एक-एक किताब एक दूसरे को पास करने लगे। घंटे भर में ही सारी किताबें कनिका के घर से नई लाइब्रेरी तक पहुंच गईं। फिर बच्चों ने मिलकर किताबों को कायदे से रैक में लगा दिया। दादी जब लौटीं तो नई लाइब्रेरी में लगी किताबों को देखकर दंग रह गईं। 'यह सब कैसे हुआ?' दादी ने हैरानी से पूछा। 'जादू से...!' कनिका ने हंसते हुए कहा। सारे बच्चे भी हंस पड़े। बच्चों को हंसता देखकर दादी भी हंसते हुए बोलीं, 'बच्चे सच में जादूगर होते हैं, थैंक्यू मेरे जादूगर बच्चों!' *

बाल गीत

डॉ. आर. पी. सारस्वत

रंग-बिरंगी बुक

रंग-बिरंगी बुक आई है।
बेहद सबके मन भाई है।।
इसका तो मुखपृष्ठ निराला।
बनी हुई इस पर है शाला।।
भीतर इसके बंदर, भालू।
लाल-टमाटर, बैंगन-कालू।।
वो देखो, वो हाथी-दादा।
खड़ा धूल का ओढ़ लबादा।।
फूलों से महकी है क्यारी।
तितली इनकी करे सवारी।।
काश! हमारे भी पर होते।
हम भी होते हरियल तोते।।
हमने उलट-पुलट ली सारी।
कितनी सुंदर, कितनी प्यारी।।
चलो, चलें अब घर चलते हैं।
विद्यालय में कल मिलते हैं।।

रंग भरो-168

रंग भरो-168 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

नक्श, हिसार

डॉली, दुर्ग

समृद्धि, शहडोल

तेजस, रायपुर

वाणी, रायपुर

अनन्य, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आदित्य-खैरागढ़, डॉली-मटियारी, प्रगति-बिलासपुर, रितेश-मटियारी, सार्थक-रायपुर, शौर्य-रोहतक, सौम्य-बालोद, वसनि-रायपुर, कार्तिक-खैरागढ़, रेयांश-बिलासपुर, कीर्ति-महासमुंद

रंग भरो 169

बच्चों, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में सोनू और मोनी मस्ती के मूड में दिख रहे हैं। चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

चित्र पूरा करो

बच्चों, यहां बाईं तरफ एक आधा-अधूरा चित्र दिया गया है। दाहिनी तरफ इस चित्र के कुछ कट-आउट्स दिए गए हैं। इन कट-आउट्स को सही जगह लगाकर चित्र पूरा करो।

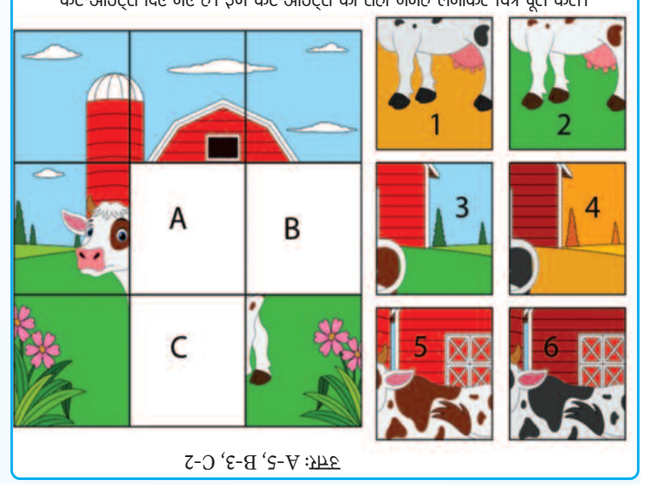

उत्तर: A-5, B-3, C-2

फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हराया, दिल्ली ने लगातार चौथा फाइनल गंवाया

आरसीबी बनीं डब्ल्यूपीएल चैंपियन

आरसीबी ने दूसरी बार जीता खिताब, कप्तान मंधाना ने खेली मैच विजयी 87 रनों की पारी

एजेंसी, वडोदरा

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की दिल्ली कैपिटल्स पर छह विकेट से जीत के साथ महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण का समापन हो गया। गुरुवार को वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 19.4 ओवर में चार विकेट खोकर 204 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

दो डब्ल्यूपीएल खिताब जीतने वाली दूसरी कप्तान बनीं मंधाना: आरसीबी ने दूसरी बार महिला प्रीमियर लीग का खिताब जीता है। इससे पहले टीम 2024 में दिल्ली के ही खिलाफ फाइनल मैच जीतकर चैंपियन बनी थी। इसी के साथ स्मृति मंधाना बतौर कप्तान दो डब्ल्यूपीएल खिताब जीतने वाली खिलाड़ी बन गईं। इस मामले में उन्होंने मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत कौर की बराबरी कर ली, जिन्होंने 2023 औरर 2025 में खिताब जीता था।

मंधाना और जॉर्जिया की रिकॉर्ड 165 रन की साझेदारी: खिताबी मुकाबले में 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत झटके के साथ हुई। चिनेल हेनरी ने नौ के स्कोर पर ग्रेस हैरिस को बोल्ड किया। वह सिर्फ नौ रन बना पाईं। इसके बाद मोर्चा स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वॉल ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 92 गेंदों में 165 रनों की साझेदारी हुई और यही आरसीबी की जीत की सूत्रधार बनी।

मंधाना ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

वहीं, मंधाना ने 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 41 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के की मदद से 87 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इस दौरान मंधाना ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दीं। वह डब्ल्यूपीएल इतिहास की पांचवीं बल्लेबाज बन गईं जिसने 1000 रन से ज्यादा रन पूरे किए। इसी के साथ वह नेट शीवर ब्रंट (1348), मेग लैनिंग (1200), हरमनप्रीत कौर (1193) और शेफाली वर्मा (1124) के क्लब में शामिल हो गईं।

जेमिमा ने की हरमनप्रीत की बराबरी

तीसरे विकेट के लिए एल. वोलवार्ड्ट और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के बीच 51 गेंदों में 76 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान जेमिमा ने 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह डब्ल्यूपीएल के प्लेऑफ मैचों का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। इससे पहले नेट शीवर ब्रंट ने 29 गेंदों में गुजरात जाएंट्स के खिलाफ अर्धशतक जड़ा था। वहीं, जेमिमा महिला प्रीमियर लीग के फाइनल में अर्धशतकीय पारी खेलने वाली तीसरी बल्लेबाज बन गईं।

दिल्ली ने बनाया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर

इससे पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने फाइनल में 203 का स्कोर बनाकर इतिहास रचा। टीम ने जेमिमा रोड्रिग्स की तूफानी 57 रनों की पारी की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाए। यह डब्ल्यूपीएल इतिहास के किसी प्लेऑफ मुकाबले में बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले मुंबई ने पिछले साल गुजरात के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में 213/4 रन बनाए थे।

लिजेल ली और शेफाली के बीच हुई 49 रन की साझेदारी

इस मुकाबले में दिल्ली की शुरुआत धीमी हुई। शुरुआती तीन ओवर के बाद टीम सिर्फ नौ रन बना पाई थी। चौथे ओवर में लिजेल ली ने गेयर बदला और सायली सतघरे को निशाना बनाते हुए पारी के चौथे ओवर में 20 रन झटके। पहले विकेट के लिए ली और शेफाली के बीच 49 रन की साझेदारी हुई। अरुंधति रेड्डी ने छठे ओवर की पांचवीं गेंद पर शेफाली को निशाना बनाया और वह 20 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद लिजेल ली भी 37 रन बनाकर आउट हो गईं।

मुस्तफिजुर को पाकिस्तानी टीम ने 6.44 करोड़ में खरीदा

लाहौर

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान पिछले 1 महीने से चर्चा का विषय बने हुए थे। मुस्तफिजुर रहमान की वजह से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और बीसीसीआई आमने-सामने आ गए थे। दरअसल, बीसीसीआई के कहने पर केकेआर ने मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। बीसीसीआई के इस कदम से नाराज होकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम को टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए भारत भेजने से इनकार कर दिया। नतीजा ये हुआ कि आईसीसी को बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टी-20 वर्ल्ड कप में शामिल करना पड़ा।

मुस्तफिजुर रहमान को मिला पीएसएल टीम का साथ

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का 7 फरवरी से आगाज होना है। इस बड़े टूर्नामेंट से पहले बांग्लादेश के स्टार गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को लेकर बड़ी खबर आई है। मुस्तफिजुर रहमान ने नई टीम का दामन थाम लिया है। मुस्तफिजुर रहमान अब पाकिस्तान सुपर लीग के 11वें सीजन में खेलते नजर आएंगे। लाहौर कलंदर्स ने मुस्तफिजुर रहमान को साइन करने की आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है। फ्रेंचाइजी ने उन्हें पाकिस्तान सुपर लीग सीजन 11 से पहले सीधे तौर पर साइन करने की घोषणा की है।

6.44 करोड़ में हुई साइनिंग

फ्रेंचाइजी ने 5 फरवरी को इस डील का खुलासा किया, जिसमें बताया गया कि मुस्तफिजुर एक बार फिर टीम की जर्सी पहनेंगे। जानकारी के मुताबिक, इस लेफ्ट-आर्म सीमर को पीकेआर ने 6.44 करोड़ में साइन किया गया है।

एरॉन जॉर्ज और थॉमस रियू पर रहेंगी नज़रें

इस विश्व कप में भारत के शीर्ष क्रम में ऐरन जॉर्ज का प्रदर्शन कुछ ख़ास नहीं रहा था। अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ सेमीफ़ाइनल मुक़ाबले से पहले उन्होंने 7, 23 और 16 रनों की पारी खेली थी। लेकिन सेमीफ़ाइनल में उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और शतक बनाकर जब आउट हुए तब भारत जीत से मात्र 11 रन दूर था। उन्होंने 15 चौकों और दो छक्कों की बदौलत 104 गेंदों पर 115 रनों की पारी खेली। ख़िताबी भिड़ंत में उनसे एक बार फिर उनकी टीम को उम्मीदें होंगी। थॉमस रियू ने इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड का बल्ले के साथ भी नेतृत्व किया है और वह इस टूर्नामेंट में अभी तक चौथे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं।

संक्षिप्त समाचार

एससी ने अनुराग ठाकुर पर 9 साल पुराना बैन हटाया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई के पूर्व प्रेसिडेंट अनुराग ठाकुर से लाइफ टाइम बैन हटा दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को

अपने 9 साल पुराने फैसले को बदला है। उसमें ठाकुर को बोर्ड से दूर रहने को कहा गया था। अब वे भारतीय क्रिकेट के संचालन में बोर्ड के कामकाज में शामिल हो सकेंगे। कोर्ट ने कहा कि उन पर जिंदगी भर का प्रतिबंध लगाना न तो सही था और न ही इसका कोई इरादा था। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने कहा- 'यह आनुपातिकता के सिद्धांत को लागू करने का सही मामला है।' बेंच ने यह भी साफ कर दिया कि अनुराग ठाकुर पहले ही बिना शर्त माफी मांग चुके हैं, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था।

एमसीजी करेगा 150वें एनिवर्सरी टेस्ट की मेजबानी

नई दिल्ली। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में मार्च 2027 में खेले जाने वाले ऐतिहासिक 150वें एनिवर्सरी टेस्ट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाले इस खास मुकाबले के लिए टिकटों की मांग उम्मीद से कहीं ज्यादा रही है। सार्वजनिक टिकट बैलेट इस सप्ताह बंद होने जा रहा है और उससे पहले ही भारी संख्या में आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। यह ऐतिहासिक टेस्ट मैच 11 मार्च 2027 से एमसीजी में खेला जाएगा और खास बात यह है कि यह पिंक बॉल से डे-नाइट टेस्ट होगा। यह मुकाबला क्रिकेट के 150 साल के गौरवशाली इतिहास का जश्न होगा, जिसमें खेल की दुनिया के कई बड़े और प्रतिष्ठित नामों की मौजूदगी तय मानी जा रही है।

बॉक्सम एलिट के दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का जलवा

मैड्रिड। बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को खेले गए दूसरे दिन

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स चैंपियन हितेश गुलिया (70 किग्रा) की अगुवाई में भारत ने कई भार वर्गों में प्रभावशाली जीत दर्ज की। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने बताया कि लवलीना ने अपने अभियान की सशक्त शुरुआत करते हुए यूक्रेन की ओल्हा पिलिपचुक को सर्वसम्मत 5:0 के फैसले से हराया। पूरे मुकाबले में लवलीना का नियंत्रण साफ नजर आया—तेज पंच, सटीक कॉम्बिनेशन और शानदार फुटवर्क के दम पर उन्होंने आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया।

हरियाणा के दो खिलाड़ियों ने कुश्ती में जीता स्वर्ण और रजत पदक

एजेंसी, झज्जर

ओलिंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत ने जाग्रेब ओपन रेसलिंग 2026, युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग रैंकिंग सीरीज के पहले ही दिन सिल्वर मेडल जीता है। वहीं शुरुआती में ही हरियाणा के सुजीत कलकल ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। 4-8 फरवरी तक क्रोएशिया के जाग्रेब में सीरीज का आयोजन किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट में अमन सहरावत (61 किग्रा) और सुजीत कलकल (65 किग्रा) जैसे प्रमुख नामों के साथ 41 सदस्यीय भारतीय दल भाग ले रहा है। पहले दिन सुजीत कलकल ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि अमन सहरावत ने रजत पदक प्राप्त किया।

पेरिस ओलिंपिक में जीत चुके कांस्य पदक

अमन सहरावत ने पेरिस ओलिंपिक में देश के लिए ब्रोंज मेडल जीता था। वहीं हाल में नोएडा आयोजित हुई पीडब्ल्यूएल में भी अमन सहरावत ने मुंबई टाइगर्स की टीम से खेलने का मिला था। वहीं सुजीत कलकल अंडर 23 एशियन चैंपियनशिप में विजेता रह चुके हैं और उन्हें भी पीडब्ल्यूएल में दिल्ली की टीम से खेलने का मौका मिला था।

बेन स्टोक्स को चेहरे पर गेंद लगी

इंग्लैंड। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स एक भयानक हादसे का शिकार हो गए हैं। मैदान पर ट्रेनिंग के दौरान एक तेज रफ्तार गेंद उनके चेहरे पर जा लगी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर अपनी एक डरावनी तस्वीर शेयर की, जिसमें उनका चेहरा पहचान पाना भी मुश्किल हो रहा है। स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीर शेयर की है, उसमें उनकी दाईं आंख पूरी तरह सूजी हुई और काली पड़ चुकी है। उनके गाल और होंठों पर खरोंच के गहरे निशान हैं और नाक से खून बहने के कारण पट्टी लगी हुई है।

ग्रुप स्टेज में भारत की राह आसान नहीं, यूएसए से नीदरलैंड्स तक हर मुकाबला चुनौतीपूर्ण

एजेंसी, नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम को भले ही सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा हो, लेकिन ग्रुप चरण की राह उतनी आसान नहीं है जितनी कागजों पर दिखती है। पिछले दो वर्षों में शानदार प्रदर्शन और 48-8 के जीत-हार रिकॉर्ड के बावजूद भारत को ग्रुप ए में यूएसए, नामीबिया, नीदरलैंड्स और संभावित रूप से पाकिस्तान जैसी टीमों से सतर्क रहना होगा। भारत का पहला मुकाबला 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में यूएसए के खिलाफ होगा। पिछला विश्व कप याद दिलाता है कि यह टीम हल्के में लेने लायक नहीं है। 2024 में यूएसए ने पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराकर चौंकाया था और भारत के खिलाफ भी एक समय दबाव बना दिया था। हालांकि अनुभव की कमी और लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट न खेलने का असर यूएसए पर पड़ सकता है। दूसरा मुकाबला 12 फरवरी को दिल्ली में नामीबिया से होगा। लगातार चौथा टी20 वर्ल्ड कप खेल रही नामीबिया को उलटफेर के लिए जाना जाता है। सीमित अनुभव के बावजूद एरार्ड इरास्मस की कप्तानी में यह टीम साउथ अफ्रीका और श्रीलंका जैसी टीमों को हरा चुकी है। जेजे स्मिट, यान फ्रायलिंक और रुबेन ट्रंपलमन भारत के लिए खतरा बन सकते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ 15 फरवरी का मुकाबला फिलहाल अनिश्चित है।

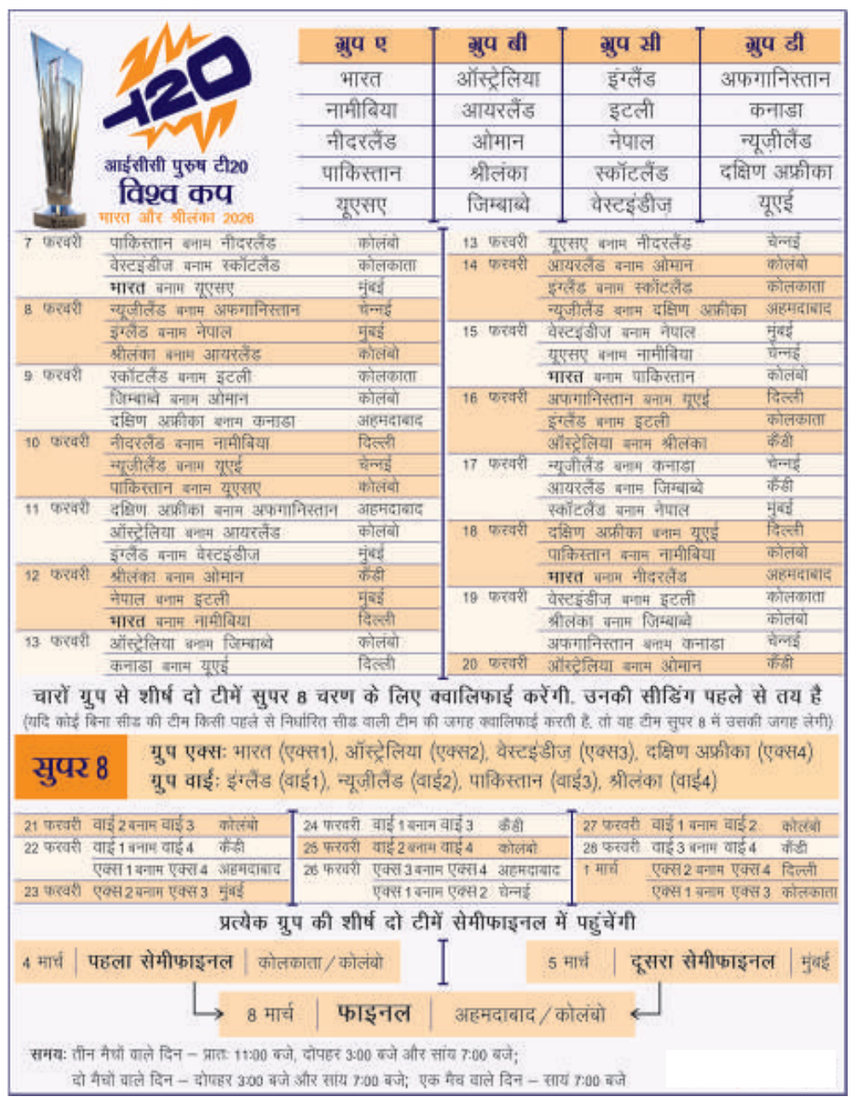

विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ पर साधा निशाना

एजेंसी, नई दिल्ली

स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने फेडरेशन कप 2026 के चयन को लेकर हरियाणा कुश्ती संघ के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने चयन मानदंडों को "अनुचित" बताते हुए कहा कि मौजूदा नियम न सिर्फ भेदभावपूर्ण हैं, बल्कि कई प्रतिभाशाली पहलवानों के करियर पर भी खतरा बन सकते हैं। विनेश का मानना है कि सीमित ट्रायल नीति भारतीय कुश्ती में निष्पक्षता और नए टैलेंट के विकास दोनों के खिलाफ है।

चयन मानदंडों पर विनेश की कड़ी आपत्ति

विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसमें फेड कप 2026 के ट्रायल केवल 2025 के सीनियर राज्य पदक विजेताओं और 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले पहलवानों तक सीमित कर दिए गए हैं।

2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को बाहर क्यों?

विनेश ने खास तौर पर इस बात पर नाराजगी जताई कि 2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को चयन प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एक साल पहले देश के लिए पदक जीतने वाले पहलवान अचानक अयोग्य हो जाते हैं। उनके मुताबिक, यह फैसला प्रदर्शन आधारित चयन की मूल भावना के खिलाफ है।

पाकिस्तान से मैच पर सूर्या बोले- हम तैयार, खेलने से उन्होंने मना किया

एजेंसी, मुंबई

टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर चल रहीं चर्चाओं के बीच भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया का रुख स्पष्ट कर दिया। गुरुवार को मुंबई में कैप्टन्स डे के दौरान सूर्या ने कहा कि भारत मैच खेलेगा। सामने वाली टीम नहीं खेलना चाहती तो यह उनकी मर्जी है। हमारा माइंडसेट बिल्कुल साफ है।

पाकिस्तान ने 1 फरवरी को मैच का बॉयकॉट किया

1 फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए भारत के खिलाफ मैच के बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। पाकिस्तान ने यह फैसला बांग्लादेश के सपोर्ट में लिया था, क्योंकि आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की बजाय अपने मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी।

सऊदी प्रो लीग का बहिष्कार खत्म करने को तैयार रोनाल्डो, अल-इत्तिहाद के खिलाफ उतरने की संभावना

रियाद। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर और अल-नस्र के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सऊदी प्रो लीग में अपने कथित बहिष्कार को खत्म कर शुक्रवार को अल-इत्तिहाद के खिलाफ हाई-वोल्टेज मुकाबले में खेलने की संभावना है। गोल.कॉम की एक रिपोर्ट में यह खबर ऐसे समय आई है, जब पांच बार के बैलन डी' ओर विजेता रोनाल्डो ने हाल ही में अल-रियाद के खिलाफ डर्बी मुकाबले में हिस्सा नहीं लिया था। माना जा रहा है कि वह सऊदी अरब में क्लबों के बीच ट्रांसफर फंड के असमान वितरण से नाराज थे। इससे पहले यह खबरें थीं कि रोनाल्डो सऊदी पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड (पीआईएफ) की क्लब प्रबंधन और निवेश नीति से असंतुष्ट होकर लगातार दूसरे सऊदी प्रो लीग मैच का बहिष्कार कर सकते हैं।

सर्विसेस पुरुष और भारतीय पुलिस महिला वर्ग में ओवरआल चैंपियन

खेल संवाददाता, भोपाल

राजधानी के छोटे तालाब में आयोजित 36वीं राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट सीनियर चैंपियनशिप का समापन शानदार प्रदर्शन के साथ हुआ। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में सर्विसेस और महिला वर्ग में भारतीय पुलिस ने ओवरआल चैंपियनशिप अपने नाम की, जबकि मेजबान मध्यप्रदेश ने दोनों वर्गों में उपविजेता बनकर सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। कुल अंकों के आधार पर भारतीय पुलिस 80 अंकों के साथ ओवरआल चैंपियन और मध्यप्रदेश 76 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। चार दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से करीब 600 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पुरुष, महिला और मास्टर्स वर्ग के अंतर्गत 100 मीटर, 200 मीटर, 500 मीटर और पांच किलोमीटर की रेस आयोजित की गईं। पुरुष वर्ग में सर्विसेस टीम ने 17 स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य सहित कुल 22 पदक जीतते हुए 44 अंकों के साथ ओवरआल चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। मध्यप्रदेश ने पांच स्वर्ण, आठ रजत और एक कांस्य के साथ 32 अंकों से दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि भारतीय पुलिस 21 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। महिला वर्ग में भारतीय पुलिस ने 12 स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य सहित कुल 20 पदकों के साथ 48 अंकों से ओवरआल चैंपियनशिप जीती। मध्यप्रदेश ने सात स्वर्ण, नौ रजत और तीन कांस्य पदक के साथ 40 अंकों से उपविजेता स्थान पाया। केरल 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। गुरुवार को 200 मीटर महिला के-2 इवेंट में भारतीय पुलिस की स्वाति साहू और एश्ले एमके ने स्वर्ण पदक जीता। सी-2 महिला वर्ग में एस संतोम्बी देवी और मासूमा यादव ने स्वर्ण हासिल किया। पुरुष सी-1 में केरल के अक्षय बी स्वर्ण विजेता रहे, जबकि मप्र के मिधुन मधु ने रजत पदक जीता।

नेशनल कैंप की तैयारी

आयोजन सचिव मयंक ठाकुर ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से आगामी नेशनल कैंप के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जो भविष्य की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी का आधार बनेगा।

पुरस्कार वितरण

समापन अवसर पर पुलिस महानिदेशक पुलिस हाउसिंग अजय शर्मा पुरस्कार वितरित किए। इस मौके पर अंकित द्विवेदी, नीतू शर्मा, मप्र कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ के अध्यक्ष पीएस बुंदेला, सचिव मयंक ठाकुर, पदम गुलरिया सचिव हिमाचल, दीपक कुमार डायरेक्टर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, डा. वीके पाराशर उपाध्यक्ष एमपीकेसीए, रश्मि केला होलानी उपाध्यक्ष एमपीकेसीए, विश्वामित्र अवार्डी विनोद मिश्रा, अनिल राठी, रिंकू सिंह, डा. राजू खन्नादे मनोज सक्सेना, हर्ष लिटोरिया डा. प्रदीप मखारिया, सीताराम तिवारी आदि मौजूद थे।

एम. वाय. मेमोरियल ट्रॉफी

नर्मदापुरम और भोपाल मैच निर्णायक मोड़ पर, चौथे दिन नतीजे की उम्मीद

खेल संवाददाता, नर्मदापुरम

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित एम. वाय. मेमोरियल ट्रॉफी सीनियर बॉयज इंटर डिवीजनल मल्टी डे क्रिकेट टूर्नामेंट में नर्मदापुरम और भोपाल डिवीजन के बीच खेले जा रहे चार दिवसीय मुकाबले ने तीसरे दिन के खेल के बाद रोमांचक मोड़ ले लिया है। अब टूर्नामेंट का यह मुकाबला चौथे और अंतिम दिन परिणाम की ओर बढ़ता दिख रहा है। एमपीसीए मैदान, नर्मदापुरम में खेले जा रहे मैच में तीसरे दिन भोपाल डिवीजन ने अपनी पहली पारी 6 विकेट पर 229 रन से आगे शुरू की। टीम 98 ओवरों में 331 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। भोपाल की ओर से प्रारब्ध मिश्रा ने 59 रन और पवन निर्वानी ने 50 रनों की अहम पारी खेली। नर्मदापुरम डिवीजन की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए रित्विक दीवान ने 6 विकेट झटके, जबकि प्रशांत और गौतम रघुवंशी ने 2-2 विकेट हासिल किए।

मप्र में कम लिंगानुपात वाले 9 जिलों में से एक जिले में महिला कलेक्टर

■ जिलाधीशों की पदस्थापना में तबादला नीति का नहीं रखा ध्यान

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने राज्य के प्रशासनिक इतिहास में अब तक सबसे ज्यादा 17 जिलों में महिला अधिकारियों को जिलाधीश बनाया है। जिलाधीशों की पदस्थापना में शासन स्तर पर सामान्य प्रशासन विभाग की तबादला नीति का ही ध्यान नहीं रखा गया। यही वजह है कि कम लिंगानुपात वाले 9 जिलों में से सिर्फ एक जिले ग्वालियर में ही महिला अधिकारी कलेक्टर है। जबकि शेष कम लिंगानुपात वाले जिले मुरैना, भिंड, शिवपुरी, दतिया, छतरपुर, सागर, विदिशा और रायसेन में कलेक्टर या पुलिस अधीक्षक जैसे बड़े प्रशासनिक पद पर एक भी महिला अधिकारी नहीं है।

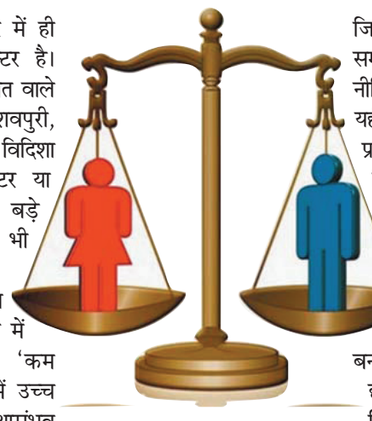

सामान्य प्रशासन विभाग की तबादला नीति में स्पष्ट प्रावधान है कि 'कम लिंगानुपात वाले जिलों में उच्च प्रशासनिक पदों पर यथासंभव महिला अधिकारियों की पदस्थापना की जाए।' पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधीशों की पदस्थापना के समय शासन स्तर पर तबादला नीति का ध्यान नहीं रखा जाता है। यही वजह है कि नीति में स्पष्ट प्रावधान होने के बाद भी कम लिंगानुपात वाले 9 जिलों में एक भी महिला पुलिस अधीक्षक या रेंज पुलिस महानिरीक्षक नहीं है। वहीं दूसरी ओर सरकार ने 17 जिलों में महिला अधिकारियों को कलेक्टर बनाया है। लेकिन ग्वालियर का छोड़कर कम लिंगानुपात वाले किसी भी जिले में महिला कलेक्टर नहीं है।

इन 17 जिलों में हैं महिला कलेक्टर

प्रदेश में 17 जिलों में महिला कलेक्टर हैं। जिनमें श्रीमती रुचिका चौहान ग्वालियर, श्रीमती ऊषा परमार पन्ना, श्रीमती प्रतिभा पाल रीवा, श्रीमती रजनी सिंह नरसिंहपुर, सुश्री सोनिया मीणा नर्मदापुरम, श्रीमती शीतला पटले सिवनी, श्रीमती नेहा मीणा झाबुआ, सुश्री रिजु बाफना शाजापुर, सुश्री भव्या मित्तल खरगोन, श्रीमती रानी बातड़ मैहर, श्रीमती नीतु माथुर आलीराजपुर, श्रीमती अंजु पवन भदौरिया डिंडौरी, श्रीमती जमुना भिंड निवाड़ी, श्रीमती अदिति गर्ग मंदसौर, श्रीमती जयति सिंह बड़वानी, श्रीमती प्रीति यादव आगर-मालवा और सुश्री मिशा सिंह रतलाम कलेक्टर हैं। जीएडी की नीति के अनुसार इनमें सिर्फ ग्वालियर ही कम लिंगानुपात वाला जिला है।

राजनीतिक कारणों से नहीं होती महिलाओं की पदस्थापना

बताया गया कि कम लिंगानुपात वाले जिलों में महिला कलेक्टरों की पदस्थापना सामान्यत: राजनीतिक कारणों से नहीं होती है। कम लिंगानुपात वाले 9 जिले ग्वालियर, भिंड, मुरैना, शिवपुरी, दतिया, छतरपुर, सागर, विदिशा और रायसेन राजनीतिक दृष्टि से प्रभावशाली जिलों में गिने जाते हैं। ग्वालियर-चंबल संभाग के 5 जिले ग्वालियर, भिंड, मुरैना, शिवपुरी और दतिया कम लिंगानुपात वाले जिले हैं।

मध्यप्रदेश वित्त निगम द्वारा ऋण वसूली शिविर का आयोजन 17-18 फरवरी को

भोपाल. मध्यप्रदेश वित्त निगम, इंदौर द्वारा ऋण वसूली एवं समाधान के उद्देश्य से वसूली शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 17 एवं 18 फरवरी 2026 को इंदौर, भोपाल एवं जबलपुर में दोपहर 12 बजे से सायं 5.30 बजे तक आयोजित होगा। मध्यप्रदेश वित्त निगम से ऋण लेकर चुकाने में असफल रहे ऋणग्राही इस शिविर में अपने ऋण संबंधी प्रकरणों का समाधान कर सकते हैं। शिविर के दौरान ऋण चुकाने से संबंधित सभी विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। साथ ही ऋणग्राही आवश्यक राशि जमा कर अपने प्रकरणों का निपटारा भी कर सकेंगे।

स्पेशल डीजी श्रीवास्तव और गोस्वामी सहित 131 को अति उत्कृष्ट सेवा पदक और 146 को मिलेगा उत्कृष्ट सेवा पदक

भोपाल (नगर संवाददाता)

केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025 के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी अति-उत्कृष्ट सेवाओं के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री का अति-उत्कृष्ट सेवा पदक एवं उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। इस श्रेणी में कुल 123 अधिकारी कर्मचारी चयनित किए गए हैं।

इसमें स्पेशल डीजी पंकज कुमार श्रीवास्तव, और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, नगरीय पुलिस भोपाल अवधेश कुमार गोस्वामी शामिल हैं। इसके अलावा अति उत्कृष्ट सेवा पदक में दुर्ग विजय सिंह भदौरिया, पुलिस अधीक्षक, जोनल कार्यालय, विशेष शाखा, ग्वालियर, मलय जैन, स्टॉफ ऑफीसर टू डीजीपी, अमित सक्सेना, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, प्रीतम सिंह बालरे अनुविभागीय अधिकारी जिला मण्डला, विजय चौधरी, एसीपी, इंदौर, अनिल सिंह चौहान, निरीक्षक पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला खण्डवा

केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025 के लिए सम्मान घोषित

शामिल है। इसके अलावा उत्कृष्ट सेवा पदक में वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर आरक्षकों तक कुल 146 अधिकारी/कर्मचारी चयनित किए गए हैं।

इसमें चयनित प्रमुख अधिकारी रुचि वर्धन मिश्र, पुलिस महानिरीक्षक शियास ए, पुलिस महानिरीक्षक (सायबर) तरुण नायक, उपपुलिस महानिरीक्षक एएनओ पुलिस मुख्यालय बिट्टू सहगल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला खरगोन अरविंद कुमार दुबे, सहायक पुलिस महानिरीक्षक रेल मुख्यालय, अमित वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला डिण्डौरी आशीष खरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला छिंदवाड़ा उमेश कुमार शर्मा अतिरिक्त सचिव विधानसभा शाहिद अहमद उप पुलिस अधीक्षक मप्र पुलिस अकादमी भोपाल ऋ तुराज गुप्ता उपपुलिस अधीक्षक, क्यूडी शाखा सत्येन्द्र कुमार वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक क्यूडी शाखा पुलिस मुख्यालय सतीश चतुर्वेदी उप पुलिस अधीक्षक जिला मण्डला प्रकाश मिश्रा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) रेहटी अनुविभाग और रत्नेश तोमर, सहायक सेनानी, 14वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल ग्वालियर शामिल है।

हरीश चौधरी आठ को लेंगे भोपाल संभाग के पदाधिकारियों की बैठक

भोपाल, रासं। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी प्रदेश के तीन दिवसीय प्रवास पर 7 फरवरी को भोपाल आएंगे। चौधरी पहले दिन प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों के साथ इंटरनल बैठकें करेंगे। दूसरे दिन 8 फरवरी को भोपाल संभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, संभाग के सभी जिला अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक में संगठन के कामकाज, संगठन के गठन और आगामी रणनीति पर चर्चा होगी। चौधरी 9 फरवरी को उज्जैन में उज्जैन संभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

विकास योजनाओं और प्रदेश को अधिक संसाधन मुहैया कराने में सहयोग करें सांसद: खण्डेलवाल

भोपाल (नगर संवाददाता)

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री दुर्गादास उइके के आवास पर मध्यप्रदेश के लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों के साथ सहभोज एवं संवाद कर प्रदेश के विकास एवं विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से वन-टू-वन चर्चा की। खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास के नये आयाम स्थापित करेगा। भाजपा की डबल इंजन वाली मोदी-मोहन सरकार से मध्यप्रदेश का सर्वांगीण विकास होगा। प्रदेश के विकास में सांसदों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री मोदी के मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास को आधार मानकर प्रदेश को विकसित बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

यह नेता रहे मौजूद

सहभोज एवं संवाद में केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार, जॉर्ज कुरियन, डॉ. एल मुरुगन, दुर्गादास उइके, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, सांसद गणेश सिंह, भारत सिंह कुशवाह, संध्या राय, लता वानखेड़े, राहुल लोधी, जनार्दन मिश्रा, डॉ. राजेश मिश्रा, हिमाद्री सिंह, आशीष दुबे, भारती पारधी, दर्शन सिंह चौधरी, आलोक शर्मा, महेन्द्र सोलंकी, अनिल फिरोजिया, सुधीर गुप्ता, अनिता चौहान, शंकर लालवानी, गजेन्द्र पटेल, ज्ञानेश्वर पाटिल, कविता पाटीदार, सुमेर सिंह सोलंकी, सुमित्रा बाल्मीकि, उमेश नाथ महाराज, बंशीलाल गुर्जर एवं माया नारोलिया उपस्थित रहीं।

केंद्र व राज्य सरकारों के समन्वय से विकास कार्यों में गति

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ लगातार कार्य कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग से विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। केंद्र और राज्य के सहयोग से चल रही विकास परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन से प्रदेश में निवेश, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान खण्डेलवाल ने केंद्रीय मंत्रियों एवं सांसदों से आग्रह किया कि वे मध्यप्रदेश से जुड़े विषयों और विकास के लिए हेतु आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में सक्रिय सहयोग करते रहें।

समस्या

सांख्येत्तर पद घोषित होने से बने हालात, सेवानिवृत्ति एवं मरणोपरांत स्वत: पद समाप्त होगा

कार्यभारितों के आश्रितों को अब अनुकंपा नियुक्ति नहीं

भोपाल (नगर संवाददाता)

विभागों में चतुर्थ श्रेणियों और कार्यभारितों से लेकर अन्य अल्पवेतन भोगी कर्मचारियों के जिन पदों को सांख्येतर घोषित किया है वहां अब इन सेवकों के दिवंगत होने के बाद पात्र आश्रित को कोई अनुकंपा नहीं मिलेगी। दरअसल सांख्येतर एक तरह से डाइंग कैडर का पद होता है जिसमें मरणोपरांत एवं सेवानिवृत्ति के बाद वह पोस्ट स्वत: खत्म हो जाएगी। प्रदेश के निर्माण विभागों में 50 हजार से ज्यादा कर्मचारी कार्यभारित यानि वर्कचार्ज पर कार्यरत हैं। पद विभेदीकरण प्रक्रिया में यह नियम लाने से विभागों के अल्प वेतन भोगियों पर संकट बन गया है। मौजूदा वर्ष में सरकार के वित्त विभाग ने कार्यभारितों, स्थाई, दैवेभो, अंशकालीन एवं संविदा जैसे कर्मचारियों के पदों को सांख्येत्तर घोषित किया है। इन कर्मचारियों में कार्यभरित सेवकों के मरणोपरांत इनके आश्रितों को सरकार अनुकंपा देती रही है लेकिन पद सांख्येत्तर होने के बाद अब अनुकंपा पर संकट उत्पन्न हो गया है। क्योंकि जितने पदों को सांख्येत्तर घोषित किया गया, इनके मरणोपरांत परिवारों में आश्रितों को अनुकंपा मिलती रही है। अब यह अवसर समाप्त हो गये हैं। क्योंकि जो नियम है उसमें स्पष्ट है कि सेवानिवृत्ति या फिर दिवंगत होने के बाद विभाग में वह पद रहेगा ही नहीं, पोर्टल से वह हटा दिया जायेगा।

विभागों में मची भागदौड़

शासन का निर्णय होने के पूर्व विभागों में अनुकंपा के प्रकरण लंबित पड़े थे। अब सांख्येत्तर पद घोषित होने के बाद इन दिवंगतों के आश्रित भटक रहे हैं। इन्हें जवाब यही दिया जा रहा है कि पद सांख्येत्तर है, इस कारण अनुकंपा मिलना संभव नही है। जबकि आश्रित तर्क दे रहे हैं कि उनके प्रकरण नियम बनने के पूर्व का है। इसलिए पहले की तरह अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जानी चाहिए।

इन विभागों में कार्यरत अनुकंपा

प्रदेश के लोक निर्माण, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण यांत्रिकी जैसे विभागों में कार्यभारित पदस्थ हैं। प्रदेश में पुल पुलियों और सड़क और नहरों के निर्माणों हेतु 1974 के दौरान कार्यभारितों को रखने की प्लानिंग हुई थी। ड्रायवर, फर्रास, चौकीदार, वाटरमेन सहित अन्य पदों पर इन्हें रखा गया था। इस नियम के तहत इन्हें नई योजना में स्वीकृत राशि से ही वेतन का भगतान करने का नियम है। तब इन्हें काम के आधार पर वेतन देने के प्लान में वर्कचार्ज नाम दिया गया था।

नवीन पद सृजन से ही अनुकंपा संभव

वित्त विभाग में अधिकारी बताते हैं कि जितने पदों को सांख्येत्तर घोषित किया गया। उनमें जिन कैडर को अनुकंपा की पात्रता है। अगर उसमें से कोई कर्मचारी दिवंगत होता है तो उसके लिए नवीन पद का सृजन करना पड़ेगा। तभी अनुकंपा मिलना संभव है। क्योंकि सांख्येत्तर की परिभाषा ही यही है कि कार्यरत सेवक सेवानिवृत्त या फिर दिवंगत हुआ तो वह पद स्वत: समाप्त हो जाएगा।

इनका कहना

कार्यभारितों के पदों को सांख्येत्तर घोषित किया गया, लेकिन इनके लिए अनुकंपा का प्रावधान है। सरकार को दिवंगतों के आश्रितों को अनुकंपा के लिए नवीन पदों का निर्माण करना चाहिए। यह जरूरी भी है। इस संदर्भ में शासन को अवगत कराया जाएगा।

-एमपी द्विवेदी,
अध्यक्ष, अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा

वित्त विभाग को यह समस्या बताई जा चुकी है। ज्ञापन भी अधिकारियों को दिया गया है। पूर्व से जो प्रकरण लंबित पड़े हैं, उनमें भी साख्येत्तर नियम का हवाला देकर प्रकरणों को अटकाया जा रहा है। अनुकंपा की पात्रता रखने वालों के साथ न्याय हो।

-शील प्रताप सिंह पुंढीर,
अध्यक्ष, राज्य शासकीय अधिकार संरक्षण संघ

स्कूल शिक्षा विभाग और आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय को नोटिस

उच्च न्यायालय ने कम्प्यूटर शिक्षकों को आउटसोर्स करने पर लगाई रोक

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षकों को आउससोर्स करने पर मप्र उच्च न्यायालय ने अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायाधीश एमएस भट्टी की एकलपीठ ने स्कूल शिक्षा विभाग, आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय और समग्र शिक्षा अभियान को नोटिस जारी किया है। न्यायधीश एमएस भट्टी की एकलपीठ ने अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 17 फरवरी को होगी।

दरअसल, मंडला निवासी अरजीत नामदेव सहित 118 शिक्षकों ने याचिका दायर कर बताया कि वे लंबे समय से सरकारी स्कूलों में संविदा के रूप में कम्प्यूटर इंस्ट्रक्टर की सेवाएं दे रहे हैं। प्रदेश के करीब 92 हजार सरकारी स्कूलों में अतिथि शिक्षक व्यवस्था के तहत मेरिट के आधार पर उनकी नियुक्ति हुई थी। याचिका में कहा गया है कि एकेडमिक सेशन 2025-26 के बीच अचानक आदेश जारी कर सरकार ने भर्ती में ड़बड़ियों का हवाला दिया। कम्प्यूटर इंस्ट्रक्टर्स की सेवाओं को आउटसोर्सिंग में लाने का निर्णय लिया, जिससे हजारों शिक्षकों का भविष्य खतरे में पड़ गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि कि भर्ती प्रक्रिया पोर्टल के जरिए की गई थी, जिसमें मेरिट के आधार पर सिलेक्शन, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और जॉइनिंग सहित पूरी प्रक्रिया शामिल थी। टीचर्स ने लगभग ढाई एकेडमिक सेशन पूरे कर लिए हैं। 200 वर्किंग डे और 3 सेशन पूरे करने के करीब हैं। इन शर्तों के बाद उन्हें भविष्य में प्रत्यक्ष भर्ती में 50 फीसदी आरक्षण का लाभ मिल सकता था, जो आउटसोर्सिंग लागू होने से समाप्त हो जाएगा। बता दें कि प्रदेश के अधिकांश स्कूलों में एक या दो कम्प्यूटर इंस्ट्रक्टर कार्यरत हैं, जिनके भविष्य पर इस निर्णय का सीधा असर पड़ सकता है।

सागर में थानों से शराब, ड्रग्स बेचे जाने के मामले में शपथ पत्र दें डीजीपी

भोपाल। सागर जिले में पुलिस थानों से शराब, ड्रग्स बेचे जाने के मामले में लगाई गई जनहित याचिका पर मप्र उच्च न्यायालय ने पुलिस महानिदेशक और अपर मुख्य सचिव गृह को नोटिस जारी कर शपथ पत्र दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संबंधित समाचार पत्र से भी रिकॉर्ड दाखिल करने को कहा है। दरअसरल, सागर में पुलिस थाने से शराब बेचे जाने समेत अन्य अपराधिक गतिविधियों को लेकर खबरें सामने आने के बाद एडवोकेट यूनियन फ़ार डेमोक्रेसी एंड सोशल जस्टिस नामक संस्था ने जनहित याचिका दायर की थी।न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल एवं न्यायमूर्ति रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन की खंडपीठ ने सुनवाई की। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए न्यायालय में खबर के स्टिंग ऑपरेशन के वीडियो एवं ऑडियो पेन ड्राइव दाखिल किए गए।

प्रशासनिक प्रताड़ना बताया जा रहा कारण

आईएफएस विपिन पटेल ने दिया इस्तीफा

भोपाल (नगर संवाददाता)

जबलपुर में पदस्थ डीएफओ विपिन पटेल ने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह वर्ष 2013 बैच के अधिकारी हैं और कार्यआयोजना शाखा का जिम्मा संभाल रहे थे। लगभग 12 वर्षों की सेवा के बाद त्यागपत्र देने के बाद न सिर्फ प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिये हैं बल्कि, महकमें में अधिकारियों के मन में व्याप्त असंतोष को भी उजागर कर दिया है।

बता दें कि पटेल ने बुधवार शाम आईएफएस एसोसिएशन के व्हाट्सएप ग्रुप में अपना त्यागपत्र साझा किया। रीवा, दमोह, सतना और अनूपपुर में अपने कार्यकाल का उल्लेख करते हुए सहयोगियों का आभार जताते हुए सेवा से अलग होने की इच्छा जता दी है। इस्तीफे पर वन बल प्रमुख वीएन अंबाड़े का कहना है कि वास्तविक कारण जानने के लिए संबंधित सीसीएफ को विपिन पटेल से चर्चा करने को कहा गया है।

मनोज अग्रवाल से मतभेद भी बताया जा रहा कारण

इस इस्तीफे के पीछे कैम्पा एवं वर्किंग प्लान के प्रमुख मनोज अग्रवाल से मतभेद भी बड़ा कारण बताया जा रहा है। अनूपपुर में विनियर मशीन की स्थापना मामले में बतौर तत्कालीन पीसीसीएफ संरक्षण के द्वारा पदस्थ वन मंडल अधिकारी सामान्य विपिन पटेल को 6 अगस्त 2025 जारी स्पष्टीकरण पत्र भी इस्तीफे के बाद मीडिया में वायरल हुआ है। जिसमें नियमों के उल्लंघन के आधार पर विनियर मशीन लगाने की अनुमति निरस्त करने पर जबाव चाहा गया है।

विवादों में भी रहे हैं पटेल

आईएफएस अधिकारी विपिन पटेल सतना, अनूपपुर में विवादित रहे थे। उनके विरुद्ध सागर लोकायुक्त पुलिस में भी शिकायत की गई थी। इसके साथ ही अनूपपुर डीएफओ रहने के दौरान जारी विवादित आदेश का प्रदेश भर में विरोध भी हुआ था। जिसमें उन्होंने वनकर्मियों को मिले उच्च पदभार को तत्काल निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की थी और इसके बाद आदेश निरस्त हुए।

इस्तीफे में यह लिखा

4 फरवरी 2026 को भेजे इस्तीफे में पटेल ने कहा है कि उनका इस्तीफा कांपीटेंट अथॉरिटी को फॉरवर्ड करें और आईएफएस सेवा से उन्हें मुक्त किया जाए। पटेल ने इस्तीफे की कॉपी वन विभाग के सचिव को भी भेजी है। इसके पहले उन्होंने वर्तमान पदस्थापना के साथ पूर्व की पदस्थापनाओं का उल्लेख भी किया है।

विशेषज्ञ टीम के सहयोग से मिली एम्स को उपलब्धि

एम्स ने पहली बार की कोहनी की सफल की सर्जरी

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

एम्स भोपाल के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने मध्यप्रदेश में पहली बार पीड़ित 55 वर्षीय पुरुष रोगी में कोहनी के लचीलेपन को बहाल करने के लिए फ्री फंक्शनिंग मसल ट्रांसफर याने कोहनी की सर्जरी सफलतापूर्वक किया है।

यह सर्जरी डॉ. दीपक कृष्णा अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. राहुल दुबे एसोसिएट प्रोफेसर के नेतृत्व में सर्जरी विभाग की विशेषज्ञ टीम और डॉ. अनुज जैन अतिरिक्त प्रोफेसर के नेतृत्व में एनेस्थीसिया टीम ने की। यह उपलब्धि एम्स भोपाल की उन्नत माइक्रोसर्जरी क्षमता को दर्शाती है।

डॉ कृष्णा के अनुसार पैन ब्रैकियल प्लेक्सस इंजरी यानि गर्दन से कंधे तक फैली नसों में भारी दर्द का अहसास कराता है। इससे मरीज के पूरे बांह में लकवा हो सकता है। यह आमतौर पर कार या मोटरसाइकिल दुर्घटना जैसे भीषण आघात से रीढ़ की हड्डी से तंत्रिका के अलग होने के कारण होती है। एक गंभीर स्थिति है, जिसमें रोगी के जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

इस तरह किया प्रत्यारोपित

डॉ कृष्णा ने बताया कि हमने अस्पताल में पहुंचे ऐसे 55 साल के मरीज की जटिल माइक्रोसर्जिकल प्रक्रिया में शरीर के दूसरे भाग जांघ से एक कार्यशील मांसपेशी को उसकी तंत्रिका और रक्त आपूर्ति के साथ निकालकर प्रभावित ऊपरी अंग में प्रत्यारोपित किया। इसके बाद मरीज को दर्द से बहुत आराम मिला। मध्यप्रदेश में एम्स की इस तरह की पहली प्रक्रिया है। एम्स के ईडी डॉ माधवानंद कर ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सर्जरी टीम को बधाई दी है।

एम्स की प्रो. भावना शर्मा को तीसरी बार मिला सम्मान

एम्स भोपाल के नेत्र रोग विभाग की प्रमुख प्रो. भावना शर्मा को अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी के प्रतिष्ठित गुरुसंगम कार्यक्रम में लगातार तीसरी बार 'नेशनल रिसोर्स टीचर' का गोल्ड प्लाक सम्मान दिया गया। इसमें देशभर के लगभग 100 वरिष्ठ नेत्र विज्ञान शिक्षकों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा में प्रो. शर्मा को विषयवस्तु, प्रस्तुति, स्पष्ठता और व्यावहारिक उपयोगिता के आधार पर चयनित किया गया। मंच पर पिछले तीन वर्षों में प्रो. शर्मा के दिए व्याख्यानों को राष्ट्रीयस्तर पर व्यापक सराहना मिली। यह उपलब्धि उनके शैक्षणिक योगदान और राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण उत्कृष्टता को दर्शाती है, इसके लिए उन्हें 'द्रोणाचार्य सम्मान' भी दिया जाएगा।

ज्यादती की एफआईआर में देरी पर थानेदार निलंबित

पुलिस उपायुक्त ने आदेश किया जारी, एसीपी ने की थी जांच

■ प्रकरण से अधिकारियों को सूचि नहीं किया था

भोपाल (नगर संवाददाता)

पिपलानी में नाबालिग से ज्यादती की एफआईआर को दर्ज नहीं करने के आरोपों से घिरे थानेदार को निलंबित कर दिया गया है। यह निर्णय एसीपी की जांच के बाद डीसीपी जोन-2 ने लिया है।

जानकारी के अनुसार पिपलानी थाना क्षेत्र में हुई घटना 2025 की है। जिसमें आरोप एसआई गोकुल प्रसाद पर लगे थे। इन्हीं आरोपों के चलते उनका पिपलानी से बागसेवनिया थाने में तबादला कर दिया गया था। पीड़िता दो दिनों तक थाने के चक्कर काट रही थी। उस दौरान वह एसआई गोकुल प्रसाद से मिली थी। जिसके बाद थाने में प्रकरण से जुड़े आरोपी को उन्होंने बुलाया था।

प्रकरण देरी से दर्ज करने और महिला संबंधित अपराध होने के बावजूद आला अधिकारियों को सूचित नहीं करने के आरोप एसआई गोकुल प्रसाद पर लगे थे। यह जांच एसीपी गोविंदपुरा अदिति भावसार की तरफ से की गई थी। जिसके बाद डीसीपी जोन-2 विवेक सिंह को पूरा प्रकरण भेजा गया। उन्होंने भी अपने स्तर पर जांच करने और तथ्य में आए प्रमाणों को देखते हुए एसआई को सस्पेंड करने के आदेश दे दिए गए। जिसके बाद एसआई गोकुल प्रसाद को बागसेवनिया थाने से भी रिलीव कर दिया गया। उनके पास मौजूद केस डायरी बागसेवनिया थाने के दूसरे अधिकारियों को अभी नहीं सौंपी गई है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)